RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः197, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

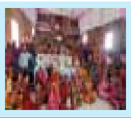

दीदी नीलम आनंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, 25 हजार पौधे लगाने का संकल्प 03

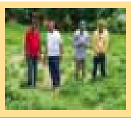

मानिकपुर में मूंगफली की लहलहाती फसल देख कृषि विभाग की टीम हुई गदगद 04

वीर पहाड़िया के साथ जोडा जा रहा है तारा सुतारिया का नाम 07

केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर नकली कीटनाशकों पर सख्त कार्रवाई करेगी : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में नकली व घटिया गुणवत्ता वाले कीटनाशकों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राज्यों में प्रवास के दौरान किसानों से शिकायत मिलती है कि नकली कीटनाशकों के कारण उनकी फसल खराब हुई है या फसल को नुकसान होता है। इनका समुचित निवारण करते हुए किसानों के हित में नकली- अधोमानक कीटनाशकों को बाजार में आने से पूरी तरह रोकना होगा। शिवराज सिंह स्पष्ट रूप से अधिकारियों को निर्देश दिया कि नकली एवं अधोमानक कीटनाशक किसी भी हालत में बिकने नहीं पाएं। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि कीटनाशकों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पारदर्शी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे राज्य सरकारों के साथ मिलकर पूरे सिस्टम को मजबूत बनाएं। कीटनाशकों के संबंध में कृषि भवन में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कीटनाशकों के पंजीयन की प्रक्रिया ऐसी होना चाहिए कि जिससे किसी को भी कृषि विभाग के चक्कर न लगाना पड़े, न ही कोई गड़बड़ी होने पाए। प्रक्रिया के दौरान ट्रेकिंग की व्यवस्था भी हो। कोई बेईमानी करता है, नकली या घटिया कीटनाशक बेचता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हों। शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में हमें विभिन्न स्तरों पर काम करना होगा। किसान हमारे लिए सर्वोपरि है, उनकी फसल नकली कीटनाशकों के कारण खराब नहीं होना चाहिए।

अमरनाथ यात्राः 3,500 तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी, श्रीनगर। इस साल 3 जुलाई को अमरनाथ यात्रा की शुरूआत के बाद से अब तक 3.42 लाख से ज़्यादा यात्री दर्शन कर चुके हैं, जबकि 3,500 तीर्थयात्रियों का नया जत्था गुरुवार को जम्मू से दोनों आधार शिविरों से यात्रा के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 21 दिनों में 3.42 लाख से ज़्यादा यात्री अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ लगातार पहुंच रही है।

'तेजस्वी ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है', चुनाव बहिष्कार वाले बयान पर बोले ललन सिंह

एजेंसी, पटना

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के चुनाव बहिष्कार वाले बयान पर जनता दल यूनाइटेड (जदयू) नेता एवं केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा है कि तेजस्वी ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्हें एहसास हो गया है कि जनता अब उनके बहकावे में नहीं आएगी। उनकी सभी धांधलियां जनता के सामने उजागर हो चुकी हैं, इसलिए वे चुनाव का बहिष्कार करने जैसी बातें कर रहे हैं। ललन सिंह ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर लिखा, ''तेजस्वी यादव ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है। उन्हें एहसास हो गया है कि जनता अब उनके बहकावे में नहीं आएगी। जब निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सिर्फ वास्तविक भारतीय नागरिक ही वोट डालें, तो उन्हें परेशानी क्यों हो रही है? अगर किसी की नागरिकता वैध है, तो डरने की कोई बात नहीं। उन्होंने आगे लिखा कि तेजस्वी की सभी धांधलियां और चालबाजियां जनता के सामने उजागर हो चुकी हैं, इसलिए वे चुनाव का बहिष्कार करने जैसी बातें कर रहे हैं। यह उनकी हताशा और बौखलाहट का प्रमाण है।''

सिंह ने मीडिया से बात करते हुए एक वीडियो भी पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जालसाजी पकड़ी गई है तो अब कह रहें कि चुनाव नहीं लडेंगे। तेजस्वी यादव को लग रहा वे चुनाव हार जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

बंगालियों के उत्पीड़न को लेकर ममता बनर्जी बना रही हैं झूठा नैरेटिव : मिथुन

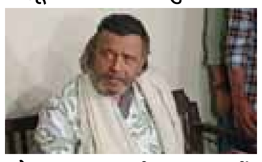

कोलकाता । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषियों के उत्पीड़न को लेकर झूठा नैरेटिव खड़ा करने का आरोप लगाया है। कोलकाता पहुंचने के बाद गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि देश में कहीं भी बंगाली भाषी लोगों के साथ किसी भी प्रकार का अनावश्यक उत्पीड़न नहीं हो रहा है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के पास चुनाव से पहले कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए मुख्यमंत्री झूठा नैरेटिव गढ़कर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही हैं।

एसआईआर पर तेजस्वी यादव ने दी बिहार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी

पटना । बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष ने सरकार को विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है। गुरुवार को विधानसभा से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे पास बिहार विधानसभा चुनाव के बहिष्कार का विकल्प खुला है। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण में अगर अनियमितताएं नहीं रुकीं तो महागठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार कर सकता है।

उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गुरुवार को सुबह से उद्योगपति अनिल अंबानी की मुंबई स्थित कंपनियों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा रिलायंस कम्युनिकेशंस और उसके प्रमोटर-निदेशक अनिल डी अंबानी को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत करने के कुछ ही दिनों बाद की जा रही है। ईडी की टीम को छापेमारी के दौरान इससे जुड़े कई सबूत मिले हैं, लेकिन ईडी की टीम ने छापेमारी से संबंधित कोई अधिकृत ब्योरा नहीं दिया है।

एफटीए सिर्फ आर्थिक लेन-देन नहीं, साझा समृद्धि का खाकाः नरेन्द्र मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हो गया। इससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार में लगभग 34 अरब डॉलर सालाना वृद्धि की संभावना है। समझौते से भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन में बेहतर बाजार मिलेगा और दूसरी ओर भारतीय उपभोक्ताओं को ब्रिटेन के उत्पाद सस्ती दरों पर उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए ब्रिटेन की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को औपचारिक रूप देना था। प्रधानमंत्री मोदी ने आज लंदन के चेकर्स एस्टेट में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने वार्ता से विजन 2035 के माध्यम से शिक्षा, रक्षा, तकनीक और जलवायु जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी को नई दिशा मिली है। बाद में संयुक्त रूप से दिए वक्तव्य में दोनों देशों ने आतंकवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और वैश्विक शांति पर समान दृष्टिकोण भी साझा किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत और ब्रिटेन के संबंधों में यह एक ऐतिहासिक दिन है। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते पर सहमति बनी है। यह समझौता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि साझा समृद्धि की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने कहा, "यह समझौता सिर्फ आर्थिक लेन-देन नहीं, बल्कि साझा समृद्धि का खाका है। वर्षों की मेहनत के बाद हुआ यह करार, लगभग 34 अरब डॉलर वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देगा।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस समझौते से भारतीय वस्त्र, जूते-चप्पल, रत्न एवं आभूषण, समुद्री खाद्य पदार्थ और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन के बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी।

साथ ही कृषि उत्पादों और प्रोसेस्ड फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर सृजित होंगे। भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई क्षेत्र को इससे विशेष लाभ मिलेगा। मोदी ने कहा कि दूसरी ओर भारत में ब्रिटेन के उत्पाद जैसे मेडिकल डिवाइसेज़ और एयरोस्पेस पाट्र्स अब किफायती कीमतों पर उपलब्ध होंगे। इससे भारतीय उपभोक्ताओं और उद्योगों को विश्वस्तरीय तकनीक और गुणवत्ता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस समझौते के साथ-साथ दोनों देशों के बीच डबल टैक्सेशन अवॉइडेंस कन्वेंशन पर भी सहमति बनी है, जिससे सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा आएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में विजन 2035 का भी उल्लेख किया। इससे तकनीक, रक्षा, जलवायु, शिक्षा और जन-से-जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का रोडमैप तैयार होगा। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन के छह विश्वविद्यालय भारत में कैंपस खोल रहे हैं, जिनमें से साउथ हैम्पटन यूनिवर्सिटी का गुरुग्राम में उद्घाटन हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी दोनों देशों ने समान सोच जाहिर की। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडो-पैसिफिक में शांति और स्थिरता, यूक्रेन संकट और पश्चिम एशिया की स्थिति पर संवाद जारी रखने की बात कही। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा के लिए ब्रिटेन सरकार का आभार व्यक्त किया और दोहराया कि आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के संबंधों की तुलना क्रिकेट से की और कहा कि हमारे लिए यह खेल नहीं बल्कि एक जुनून है और हमारी साझेदारी का एक रूपक भी है।

अमित शाह ने राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 का किया अनावरण

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को यहां के अटल अक्षय ऊर्जा भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 का अनावरण किया। सहकारिता मंत्रालय ने इस नीति को आगामी दो दशकों (2025-2045) के लिए भारत के सहकारी आंदोलन की दिशा और दशा तय करने वाला बताया है।

इस अवसर पर नीति निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाली समिति के सदस्य, देश के प्रमुख राष्ट्रीय सहकारी संघों के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (एनसीसीटी) और वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनीकॉम) के अधिकारी मौजूद रहे। सहकारिता मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025 का उद्देश्य सहकारी क्षेत्र को आधुनिक, समावेशी और भविष्योन्मुखी बनाना है। यह नीति ग्रामीण भारत में रोजगार और आजीविका के अवसरों को व्यापक रूप से बढ़ावा देगी और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने में सहकारिता क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगी। भारत की पहली राष्ट्रीय सहकारिता नीति वर्ष 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने जारी की थी।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या कटवाने के लिए अब भी एक माह का समयः आयोग

एजेंसी, नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि 1 अगस्त और 1 सितंबर के बीच राजनीतिक दल योग्य मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वा भी सकते हैं और अगर किसी का नाम गलती से जुड़ गया है तो उसे हटावा भी सकते हैं। चुनाव आयोग का यह वक्तव्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के बीच आया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश पृष्ठ 3, पैरा 7(5) के अनुसार, किसी भी मतदाता या मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को 1 अगस्त से 1 सितंबर तक एक महीने का समय मिलेगा ताकि वे किसी भी पात्र मतदाता का नाम शामिल करा सकें, जिन्हें बीएलओ/बीएलए ने छोड़ दिया हो।

राहुल ने चुनाव आयोग को निशाने पर लेकर कहा- धोखाधड़ी के 100% सबूत, बचकर निकल नहीं पाओगे

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए कहा, कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति देने के सौ फीसद सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा, कि यदि आयोग यह सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि हमारे पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा धोखाधड़ी की अनुमति प्रदान करने के 100 प्रतिशत ठोस सबूत हैं। 90 नहीं, पूरे 100 प्रतिशत। उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र की समीक्षा की है, और उसमें हजारों संदिग्ध वोटर मिले हैं। इन वोटरों की उम्र 50, 60 या 65 वर्ष की है, लेकिन वे नए मतदाता के तौर पर दर्ज हुए हैं। राहुल गांधी का दावा है, कि ऐसा नाटक सिर्फ एक क्षेत्र में नहीं, बल्कि संभवतः हर निर्वाचन क्षेत्र में चल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जब यह सबूत सामने लाने का निर्णय लिया है, तो वह पूरी तैयारी के साथ सामने आएगी।

अपना काम नहीं कर रहा चुनाव आयोग

एसआईआर पर राहुल गांधी ने कहा कि यह मामला बहुत ही गंभीर मामला है। दरअसल चुनाव आयोग, भारत के चुनाव आयोग की तरह काम ही नहीं कर रहा। आज का उनका बयान भी पूरी तरह बकवास है। सच में कहा जाए तो चुनाव आयोग अपना काम नहीं कर रहा है।

शिक्षण संस्थानों में सिर्फ पढ़ाई नहीं, नैतिक मूल्यों का ज्ञान भी जरूरी : राज्यपाल

एजेंसी, पलामू

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार गुरूवार को सड़क मार्ग से पलामू जिले के विश्रामपुर पहुंचे, जहां उन्होंने रामचंद्र चंद्रवंशी यूनिवर्सिटी के दूसरे दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं के बीच डिग्री का वितरण किया। कार्यक्रम में राज्यपाल ने पूर्व मुख्यमंत्री और ओड़िशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास को यूनिवर्सिटी की तरफ से डॉक्ट्रेट की मनाद उपाधि भी दी। राज्यपाल के कार्यक्रम को देखते हुए कार्यक्रम स्थल समेत पूरे सड़क मार्ग पर भरी संख्या में पुलिस बल और मैजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई। दीक्षांत समारोह से पूर्व विश्वविधालय परिसर में राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का ज्ञान देना ही सर्वांगीण शिक्षा का उदाहरण है। राजभवन इसके लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में कई आवश्यक कार्य भी किया जा रहा है। वहीं मीडिया से बात करते हुए रघुवर दास ने मानद उपाधि मिलने पर खुशी जाहिर की और कहा कि ये उनके लिए गौरव भरा क्षण है। जिस इलाके में पहले नक्सलियों की गोलियों की गूंज थी, आज वहां शिक्षा का अलख जग रहा है। यह बड़ा सुखद है। क्षेत्र में इसी तरह से तरक्की हो, इसकी हम कामना करते हैं। मौके पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचन्द्र चन्द्रवंशी, भाजपा नेता ईश्वर सागर चन्द्रवंशी, पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बिहार की जीएसडीपी में 14.47 प्रतिशत की वृद्धि : सीएजी

एजेंसी, पटना

बिहार विधानमंडल में मानसून सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भी जमकर हंगामा हुआ। इस बीच नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लेखापरीक्षा प्रतिवेदन बिहार विधानमंडल (विधानसभा-विधान परिषद) में प्रस्तुत किया। इसके मुताबिक वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पिछले वर्ष की तुलना में 14.47 प्रतिशत बढ़ी।

सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य के राजस्व व्यय में विगत वर्ष की तुलना में 3.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि राजस्व प्राप्तियों में विगत वर्ष की तुलना में 11.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य की देनदारियों में विगत वर्ष की तुलना में 12.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई। राज्य की कुल बकाया देनदारियों में आंतरिक ऋण का योगदान 59.26 प्रतिशत था। आंतरिक ऋण के तहत निवल देनदारियों (कुल देनदारियों में से उसकी कुल संपत्तियों को घटाने के बाद बची हुई राशि) में विगत वर्ष की तुलना में 13.51 प्रतिशत करीब 28,107.06 करोड़ की वृद्धि हुई है। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2023-24 के दौरान राज्य ने विगत वर्ष के 11,288.20 करोड़ के राजस्व घाटा के तुलना में 2,833.06 करोड़ का राजस्व अधिशेष दर्ज किया। राज्य का राजकोषीय घाटा वर्ष 2022-23 में 44,823.30 करोड़ से घटकर वर्ष 2023-24 में 35,659.88 रहा। वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य 15वें वित्त आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सका। इसकी वजह से बकाया देनदारियों का जीएसडीपी से अनुपात आयोग द्वारा निर्धारित स्तर के अधीन रहा। सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2023-24 के दौरान, पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व प्राप्तियों में 20,659 करोड़ (11.96 प्रतिशत) की वृद्धि हुई। इसी प्रकार, केंद्रीय करों एवं शुल्कों में राज्य के हिस्से और स्व-कर राजस्व का योगदान पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 18.95 प्रतिशत (18,094 करोड़) और 9.87 प्रतिशत (4,343 करोड़) बढ़ा। इसके अलावा, गैर-कर राजस्व में 27.14 प्रतिशत (1,122 करोड़) की वृद्धि हुई। केंद्र सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान में पिछले वर्ष की तुलना में 9.99 प्रतिशत (2,900 करोड़) की कमी आई। वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान पूंजीगत प्राप्तियां भी विगत वर्ष की तुलना में 48,325 करोड़ से बढ़कर 60,314 करोड़ हो गई। राज्य के पूंजीगत प्राप्तियों में 49,546 करोड़ की राशि का आंतरिक ऋण प्रमुख योगदानकर्ता (82.15 प्रतिशत) था। वर्ष 2023-24 के दौरान, राज्य सरकार के कुल व्यय को पूरा करने के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अतिरिक्त निधि (24.72 प्रतिशत वृद्धि) ऋण के रूप में लेना पड़ा। सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक जीएसडीपी के सापेक्ष राजस्व व्यय 2019-20 के 1,26,017 करोड़ (जीएसडीपी का 21.66 प्रतिशत) से बढ़कर 2023-24 के 1,90,514 करोड़ (जीएसडीपी का 22.30 प्रतिशत) हो गया। हालांकि, कुल व्यय के सापेक्ष राजस्व व्यय उसी अवधि में 90.67 प्रतिशत से घटकर 83.16 प्रतिशत हो गयी ।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में पड़ रही भीषण गर्मी से सरकारी स्कूल में चार छात्राएं बेहोश, अस्पताल में एडमिट

पटना। गर्मी का प्रकोप अब स्कूलों में भी देखने को मिल रहा है। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल स्थित पंडारक प्रखंड के चौधरी राम प्रसाद शर्मा कन्या उच्च विद्यालय में गुरुवार को भीषण गर्मी के कारण चार छात्राएं बेहोश हो गईं। सभी को आनन फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंडारक इलाज के लिए भेजा गया। बेहोशी के बाद वर्ग 8 की छात्रा गौरी कुमारी को अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ में रेफर किया गया, जबकि तीन अन्य छात्राएं मुस्कान, दिलखुश और अंजली का इलाज पंडारक अस्पताल में चल रहा है। डॉ. रूबी ने बताया कि सभी छात्राओं की तबीयत गर्मी और हीट स्ट्रोक के कारण बिगड़ी थी। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है और उन्हें निगरानी में रखा गया है। चौधरी राम प्रसाद शर्मा प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय के प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि विद्यालय को पीएम श्री योजना के तहत मध्य विद्यालय से जोड़ा गया है। इस योजना के अंतर्गत, प्रखंड के एक मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में मर्ज किया गया है। विद्यालय में कुल 8 कक्षाएं हैं, जिनकी अधिकतम क्षमता 320 छात्राएं है लेकिन वर्तमान में करीब 1000 छात्राएं पढ़ाई के लिए स्कूल आ रही हैं, जिससे अत्यधिक भीड़ और गर्मी में स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

बिहार में चुनावी सरगर्मी के बीच उपेन्द्र कुशवाहा ने जीतन राम मांझी से की मुलाकात

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव का समय सामने आते ही राजनीति दलों के नेताओं का आपस में मेलजोल का सिलसिला शुरू हो गया है। इस बीच गुरुवार सुबह राजग गमेठबंधन में शामिल हम पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक जीतन राम मांझी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने मुलाकात की। चुनावी सरगर्मी के बीच ये मुलाकात राजग के लहजे से अहम मानी जा रही है। ये मुलाकात इसलिए भी खास हो गई है क्योंकि उपेन्द्र कुशवाहा ने जीतन राम मांझी से मुलाकात की है क्योंकि कुछ दिन पहले ही उपेन्द्र कुशवाहा ने नीतीश कुमार को जदयू की कमान बेटे निशांत को सौपने को सलाह दे डाली थी। इतना ही नहीं उपेन्द्र कुशवाहा ने ये भी कहा था कि उनके कार्यकर्ता नीतीश सरकार की शिकायतें लेकर उनके पास आ रहे लेकिन बिहार के लोगों को एनडीए सरकार पर ही भरोसा है कि वो उनकी शिकायते दूर कर सकती है। महागठबंधन से जनता को कोई उम्मीद नही है। माना जा रहा है कि ये मुलाकात राजग में सीट शेयरिंग में अपनी हिस्सेदारी और चुनावी रणनीति तय करने को लेकर हुई है लेकिन पार्टी ने इसे औपचारिक मुलाकात बताया है, जबकि जीतन राम मांझी ने खुद अपने शोसल मीडिया एक्स पर लिखा कि इस मुलाकात में बिहार के वर्तमान राजनीतिक परिपेक्ष्य पर विस्तार से चर्चा की बात कही है।

हाजीपुर में विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

हाजीपुर। हाजीपुर के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र अंतर्गत नवादा में एक महिला की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना के बाद सभी ससुराल वाले फरार हो गए हैं। मृतका की पहचान महनार थाना क्षेत्र अंतर्गत लावापुर गांव निवासी इंद्रजीत सिंह की बेटे प्रीति कुमारी(23) के रूप में हुई है। मृतका के पिता इंद्रजीत सिंह ने बताया कि घर में कुछ बातों को लेकर गोतनी से विवाद चल रहा था। कहा कि दो साल पहले उसकी शादी इंद्रजीत से हुई थी। मृतका के पति तीन भाई थे, जिसमें यह सबसे छोटे भाई की पत्नी थी। दोनों बड़ी गोतनी से उसका विवाद चल रहा था। बताया कि बुधवार की रात दामाद ने फोन कर कहा कि छत से गिरने से मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते हैं गंगा ब्रिज थाने की पुलिस अधिकारी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दी है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस फरार ससुराल वालों की तलाश में जुटी है।

वैशाली में हाइवा-ट्रक की टक्कर, 3 की मौत सीएनजी ऑटो के टैंक में ब्लास्ट से लगी आग

हाजीपुर। वैशाली में बुधवार शाम दो हाइवा की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों ट्रकों के ड्राइवर और एक खलासी की मौत हो गई। ट्रक के पीछे CNG ऑटो और बोलेरो आ रही थी। ट्रक हाइवा की टक्कर की वजह से CNG ऑटो और बोलेरो में भी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार हुई कि ऑटो का सीएनजी टैंक फट गया और सभी गाड़ी में आग लग गई। आग की चपेट में आने ट्रक के दोनों चालक और खलासी की लाश हादसे में जल गई। हादसा हाजीपुर-महुआ मुख्य मार्ग पर रंगीला चौक के पास शाम करीब 7 बजे हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि, हाजीपुर की ओर से आ रहा एक बालू लदा तेज रफ्तार हाइवा सामने से आ रहे खाली ट्रक से टकरा गया। इसके बाद पीछे से आ रही बोलेरो और सीएनजी ऑटो भी टकरा गई। कुछ ही सेकेंड में सीएनजी ऑटो का टैंक ब्लास्ट कर गया और आग तेजी से फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और दमकल को सूचना दी। तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक तीन लोग आग में पूरी तरह से झुलस चुके थे। हादसे की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सदर राम बाबू बैठा और SDPO सुबोध कुमार मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचे। क्रेन और बचाव टीम की मदद से जल चुके वाहनों को हटाया गया। शवों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

हाजीपुर में 3 बदमाशों ने एक लाख रुपए लूटे, सीएसपी संचालक पर पिस्तौल भिड़ा कैश ले भागे

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर में बदमाशों ने दिनदहाड़े बैंक लूट की वारदात को अंजाम दिया। बेलसर थाना क्षेत्र के साइन बाजार में स्थित सेंट्रल बैंक के CSP सेंटर में यह घटना हुई। सदर SDPO गोपाल मंडल के अनुसार, दोपहर करीब 2:30 बजे एक बाइक पर सवार 3 बदमाश CSP सेंटर पहुंचे। इनमें से 2 ने हेलमेट और एक ने मास्क पहन रखा था। CSP संचालक मुकेश पासवान के पास पहुंचकर उन्होंने पिस्तौल तान दी। बदमाश एक लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। पुलिस घटनास्थल पर लगे CCTV की फुटेज की जांच कर रही है। SDPO ने बताया कि CCTV फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। पुलिस छापेमारी कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एनएसयूआई का रोजगार, नौकरी और अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन

पुलिस ने जमकर चलाए वाटर कैनन

एजेंसी, पटना

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को बिहार में रोजगार, नौकरियों और अन्य मुद्दों को लेकर पटना में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता बिहार विधानसभा का घेराव करने के लिए मार्च निकाल रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इस बीच प्रदर्शनकारी बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करने लगे, जिससे पुलिस के साथ उनकी जमकर झड़प हो गई। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया,जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति हो गई।

कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान कई बार धक्का-मुक्की और नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। करीब 45 मिनट तक चले इस प्रदर्शन में कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया गया। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई नेताओं ने पुलिस पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप लगाया। कुछ छात्रों के कपड़े फाड़े जाने और अभद्र व्यवहार की शिकायत भी सामने आई है।एनएसयूआई कार्यकर्ता सरकार के खिलाफ रोजगार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर जवाबदेही की मांग कर रहे थे। वाटर कैनन के प्रयोग पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद ने कहा कि जब भी आप सरकार से सवाल पूछेंगे, तब यह दमनकारी रवैया अपनाया जाता है। इसमें पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता है। घटना के बाद क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

डॉ. यजुवेंद्र की मौत के बाद पटना एम्स स्टूडेंट्स का विरोध-प्रदर्शन

पीजी स्टूडेंट्स बोले- सीनियर्स छुट्टी नहीं देते

एजेंसी, पटना

19 जुलाई को पटना AIIMS के जूनियर डॉक्टर यजुवेंद्र साहू की मौत हुई थी। AIIMS स्टूडेंट इसे सुसाइड बताकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना AIIMS के पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों ने प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखी हैं। छात्रों का कहना है कि उन्हें लगातार 36 घंटे की ड्यूटी करनी पड़ती है। इससे उन्हें केवल 2-3 घंटे की ही नींद मिल पाती है।

सीनियर्स छुट्टी नहीं देतेः PG के स्टूडेंट्स ने बताया कि AIIMS में काम का बोझ इतना अधिक है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय अवकाश पर भी काम करना पड़ता है। OPD में रोजाना करीब 3000 से अधिक मरीज आते हैं। नियम के अनुसार एक वर्ष में 30 दिन की छुट्टी मिलनी चाहिए, लेकिन सीनियर्स छुट्टी नहीं देते हैं। छात्रों ने बताया कि इसी कारण दो साल पहले डॉक्टर नीलेश ने आत्महत्या कर ली थी। यजुवेंद्र साहू के मामले में भी उनकी मां ने घर आने को कहा था, लेकिन उन्हें छुट्टी नहीं मिली। काम का अधिक दबाव और सीनियर्स की डांट-फटकार से परेशान होकर उन्होंने आत्महत्या कर ली।

AIIMS में डॉक्टर्स का कोई संगठन नहींः छात्रों ने यह भी बताया कि पटना AIIMS में डॉक्टर्स का कोई संगठन नहीं है, जिससे उनकी समस्याओं को लेकर आवाज उठाने में दिक्कत होती है। इन सभी मुद्दों को लेकर छात्रों ने प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखी हैं और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अनियमितताएं नहीं रुकीं तो महागठबंधन के पास चुनाव बहिष्कार का विकल्प खुला हैः तेजस्वी

एजेंसी, पटना

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष ने सरकार को विधानसभा चुनाव के बहिष्कार की चेतावनी दी है। गुरुवार को विधानसभा से बाहर निकलने के बाद मीडिया से बात करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारे पास बिहार विधानसभा चुनाव के बहिष्कार का विकल्प खुला है। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण में अगर अनियमितताएं नहीं रुकीं तो महागठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। तेजस्वी ने कहा कि जो कुछ भी वोटर लिस्ट को लेकर हो रहा है, उस पर हम खुलकर विचार कर रहे हैं। हम अपने दल के नेताओं से चर्चा करेंगे और चुनाव बहिष्कार का विकल्प खुला रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग सरकार के "राजनीतिक औजार" के रूप में काम कर रहा है।

सरकार पर कटाक्ष करते हुए तेजस्वी ने कहा कि सरकार सिर्फ संख्या पूरी करने के लिए इस फर्जीवाड़े को सही ठहरा रही है। तेजस्वी ने कहा कि हम नहीं चाहते कि अवैध या बाहरी वोटर वोट डालें। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दिए गए दस्तावेज में भी यह बात कही गई है कि कोई विदेशी शामिल नहीं है, फिर भी सरकार की भूमिका संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि जब सभी को सेट देना है तो वैसे ही दे दीजिए। ऐसे में चुनाव का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि वे और बिहार की जनता इस उम्मीद में थे कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद सदन में जवाब देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरकार के जवाब का सीधा मतलब है कि वह चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया को सही मान रही है, जबकि हम लोग इसे फर्जीवाड़ा मानते हैं। एक जगह बैठकर लाखों फॉर्म भरे जा रहे हैं। एक-दूसरे के सिग्नेचर किए जा रहे हैं और कई वीडियो हमारे पास हैं, जिन्हें हमने जारी भी किया है।

पीयू में अतिथि शिक्षकों का आमरण अनशन गेस्ट फैकल्टी को फिर से बहाल करने की मांग

एजेंसी, पटना

♦ कहा- यूनिवर्सिटी बोल रही उनको जरूरत नहीं

पटना यूनिवर्सिटी में अतिथि शिक्षक आमरण अनशन पर बैठे हैं। अतिथि शिक्षकों को फिर से बहाल करने को लेकर वह आज से धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होगी, वह अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। दरअसल, सभी अतिथि शिक्षकों का रिनुअल अवधि 21 जून था। सभी ने 24 जून को एक आवेदन पत्र के माध्यम से और मौखिक रूप से यूनिवर्सिटी को सूचित करते हुए समय पर रिनुअल प्रक्रिया को पूरी कराने के लिए आग्रह किया था। 19 जुलाई तक कुछ विषयों में अतिथि शिक्षकों का रिनुअल हुआ, पर अभी कुछ विषयों में अतिथि शिक्षकों का पद रिक्त है। उनका आग्रह था कि यदि इन रिक्त पदों पर हम सभी को पदस्थापित कर दिया जाए तो शैक्षणिक और विभागीय कार्य भी सुचारू रूप से संचालित हो पाएंगे।

यूनिवर्सिटी ने कहा गेस्ट फैकल्टी की अभी जरूरत नहींः अतिथि शिक्षक मुन्ना मनीष ने कहा कि हम लोग का सैंक्शन सीट बचा हुआ है। सरकार से गेस्ट फैकल्टी का पैसा भी आ गया है, मगर यूनिवर्सिटी की ओर से हमें सीट पर फिर से बहाल नहीं किया जा रहा है। हमने यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार से बात की तो उनका कहना है कि उन्हें गेस्ट फैकल्टी की अभी जरूरत नहीं है, इसलिए वह नहीं रखेंगे। बिहार के सभी विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी का रिनुअल हो चुका है। पटना यूनिवर्सिटी में भी 74 अतिथि शिक्षक का रिनुअल हो चुका है, सिर्फ 32 बचा हुआ है। हम सभी अतिथि शिक्षक यहां 5-6 साल से काम कर रहे हैं और इसी से हमारी रोजी-रोटी चलती है। अब इनका अचानक हमें हटा देना कहां से सही है।

विभागीय और शैक्षणिक कार्य होंगे प्रभावितः उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार ने गत कैबिनेट में एक करोड़ रोजगार देने की बात की है। प्रत्येक प्रखण्ड में सरकार नए डिग्री कॉलेज खोलने की योजना भी बना रही। NEP-2020 के तहत विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अभी और भी शिक्षकों की आवश्यकता है। हमलोग पिछले कई वर्षों से पूर्ण निष्ठा से अपने विभागीय और शैक्षणिक कार्यों में सेवा दे रहे है। वहीं, दूसरी ओर लम्बे समय तक कार्य कर रहे अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त किया जा रहा है जो कि न्यायसंगत नहीं है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद नाबालिग लड़की से गैंगरेप, होटल में बुलाकर दोस्तों संग किया बलात्कार

एजेंसी, पटना

♦ वीडियो बना ब्लैकमेल करते थे, नाबालिग समेत 4 पकड़ाए

दानापुर में नाबालिग लड़की के साथ गैंग रेप हुआ है। लड़की ने इंस्टाग्राम के जरिए एक लड़के से दोस्ती की। उसने पीड़िता को प्यार का झांसा देकर जाल में फंसाया। पीड़िता को रूपसपुर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में बुलाया। वहां उसके साथ रिलेशन बनाया और वीडियो भी बना ली। इसी वीडियो के जरिए लड़की को ब्लैकमेल किया। दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। पीड़िता से गहने-पैसे भी मांगे। 22 जुलाई को पीड़िता की मां ने FIR कराई थी। आज पुलिस ने मामले में तीन नाबालिग सहित एक सोनार को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों से पांच मोबाइल बरामद किए हैं। गिरफ्तार सोनार की पहचान अरविंद कुमार पांडेय के रूप में हुई है। पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को पीड़िता की मां ने दानापुर थाना में शिकायत दर्ज कराई थी।

24 घंटे में पकड़े गए आरोपीः उन्होंने चार युवकों पर सामूहिक रेप और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर जेवरात लेने का आरोप लगाया था। इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए दानापुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ब्लैकमेल पर सोना लेने वाला सोनार भी अरेस्टः साथ ही पीड़िता से ब्लैकमेल कर लिए गए जेवरात खरीदने वाले सोनार को भी गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि पीड़िता की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए एक लड़के से हुई थी। लड़के ने प्यार का झांसा देकर पीड़िता को रूपसपुर थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में बुलाया। वहां नाबालिग का अश्लील वीडियो बना लिया गया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर जेवरात और रुपयों की मांग की जाने लगी।

वीडियो वायरल होने के डर से लड़की ने दे दिए जेवरः इसी बीच लड़के ने अन्य तीन दोस्तों के साथ मिलाकर पीड़िता का गैंग रेप किया। वीडियो वायरल होने के डर से पीड़िता ने अपने घर से जेवरात दे दिए। जेवरात देने के बाद भी आरोपी नहीं रुके और लगातार रुपयों और जेवरात की मांग करते रहे। तंग आकर पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को छोड़कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

नवंबर-दिसंबर में होगी 7279 स्पेशल टीचर्स की शिक्षक भर्ती परीक्षा

एजेंसी, पटना

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने अपनी आगामी भर्तियों का नया परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके मुताबिक बिहार विशेष विद्यालय अध्यापक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन नवंबर-दिसंबर 2025 में किया जाएगा। इस भर्ती परीक्षा के जरिए 7279 स्पेशल टीचरों की नियुक्ति होगी। इनमें कक्षा 1 से 5 के लिए 5534 शिक्षक और कक्षा 6 से 8 के लिए 1745 शिक्षक बहाल किए जाएंगे। इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है और अंतिम तिथि 28 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है।

बीपीएससी 71वीं प्रीलिम्स परीक्षा 13 सितंबर को होगीः इसके अलावा बीपीएससी 71वीं प्रीलिम्स परीक्षा 13 सितंबर 2025 को कराई जाएगी। लंबे समय से उम्मीदवार इस परीक्षा की तिथि का इंतजार कर रहे थे। आयोग ने साफ कर दिया है कि निर्धारित तिथि पर ही परीक्षा ली जाएगी। असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के लिए भी आवेदन चल रहे हैं। पटना स्थित राजकीय तिब्बी कॉलेज और अस्पताल के विभिन्न विभागों में 15 पदों पर नियुक्ति होनी है। इच्छुक अभ्यर्थी 25 अगस्त 2025 तक bpsc.bihar.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार के अधीन पटना और बेगूसराय के राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में 88 असिस्टेंट प्रोफेसर पदों के लिए भी आवेदन प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए अंतिम तिथि 8 अगस्त 2025 तय की गई है।

मेयर सीता साहू ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

पटना। पटना नगर निगम की बोर्ड बैठक में हुए हंगामे और मेयर के बेटे शिशिर कुमार पर कार्रवाई के बाद अब मेयर सीता साहू ने PM मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र लिखकर शिकायत की है कि पुलिस द्वारा उनके और उनके परिवार के खिलाफ "अनुचित और अवैध कार्रवाई" की जा रही है। उन्होंने इसकी जांच और बोर्ड बैठक में घटित घटनाओं की जांच करने की गुहार लगाई है। मेयर ने मांग की है कि किन अधिकारियों के निर्देश पर उनके आवास पर बिना वारंट छापा मारा गया। उन्होंने सवाल उठाया कि बिना वारंट पुलिस उनके घर कैसे पहुंची ? यह छापेमारी राजनीतिक साजिश का हिस्सा हो सकती है और इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। वहीं, उन्होंने नगर आयुक्त से स्पष्टीकरण लेने की मांग की है। मेयर ने लिखा कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में 80% पार्षद उपस्थित थे और बहुमत से प्रस्ताव पारित हुए थे, फिर भी नगर आयुक्त ने बैठक का बहिष्कार क्यों किया?

8 अगस्त को सीतामढ़ी आ रहे गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी, पटना

♦ पुनौरा धाम में मां जानकी मंदिर की रखेंगे आधारशिला, मिथिला के 25 सीटों पर बनाएंगे जीत की रणनीति

8 अगस्त को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा बिहार आएंगे। गृहमंत्री का दौरा सीतामढ़ी जिले के साथ पूरे मिथिला के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह दौरा न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि राजनीतिक और विकास के नजरिए से अहम माना जा रहा है। इस दिन पुनौरा धाम स्थित जानकी मंदिर के भव्य निर्माण कार्य की आधारशिला रखी जाएगी। साथ ही कई योजनाओं की शुरुआत करते हुए अमित शाह के मिशन 2025 की रणनीति भी साधेंगे।

जानकी मंदिर की आधारशिला बनेगा बड़ा एजेंडाः BJP ने राम मंदिर के जरिए देश में सालो तक सियासत की और राम मंदिर के निर्माण के साथ हिंदुत्व वोट बैंक को अपने से जोड़ कर रखा। सीतामढ़ी के जानकी मंदिर पुनौरा धाम के विकास और सौंदर्यीकरण का मुद्दा हमेशा से उठाता रहा है। अब NDA बिहार विधानसभा 2025 से ठीक पहले जानकी मंदिर के भव्य निर्माण और सौंदर्यीकरण करके मिथिलांचल सहित बिहार में बड़ा संदेश देना चाहती है।

जानकी जन्मभूमि पुनौरा धाम में होगा भव्य आयोजनः माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम में लंबे समय से भव्य मंदिर निर्माण की मांग की जा रही थी। अब केंद्र सरकार की ओर से इसे आकार दिया जा रहा है। राज्य सरकार भी मंदिर के निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही है। 8 अगस्त को सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में हो रहे भव्य आयोजन में अमित शाह जानकी मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। यह मंदिर अयोध्या के राम मंदिर के समान भव्य रूप में विकसित किया जाएगा। भव्य समारोह की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस परियोजना को राष्ट्रीय तीर्थ क्षेत्र के रूप में प्रचारित करने की योजना है। गृह मंत्री अमित शाह 8 अगस्त को सीतामढ़ी पहुंचकर कई विकास योजनाओं का लोकार्पण करेंगे साथ ही योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। जानकारी के मुताबिक सड़क, पेयजल, और सांस्कृतिक गलियारे से जुड़ी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। सीतामढ़ी मुजफ्फरपुर रोड, पुनौरा धाम को जोड़ने वाली पर्यटन सड़कों की योजनाएं अहम होंगी।

लोगों को क्या क्या मिलेगाः जानकी मंदिर के निर्माण में सबसे खास मंदिर का डिजाइन होगा। जानकी मंदिर का डिजाइन उत्तर भारतीय नागर शैली में तैयार किया जा रहा है जो अयोध्या के राम मंदिर से प्रेरित है। इसके निर्माण में सफेद संगमरमर और लाल बलुआ पत्थर का उपयोग होगा। मंदिर का शिखर और गर्भगृह को भव्य बनाया जा रहा है, जिसमें जानकी माता की प्रतिमा स्थापित होगी।

पुनौरा धाम परिसर का होगा विस्तारः जानकी मंदिर परिसर को 12 एकड़ से अधिक भूमि में विस्तारित किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वॉकिंग पाथ, प्रवेश द्वार, विश्राम स्थल और बनाई जा रही है जिसका शिलान्यास होगा। चारों दिशाओं में तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं, जिनमें मिथिला की वास्तुकला की झलक मिलेगी। जानकी मंदिर के ठीक बगल में बने सीता कुंड का पुनर्निर्माण किया जा रहा है। घाटों को संगमरमर और बलुआ पत्थर से सजाया गया है। रात में सरोवर की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए लाइट एंड फाउंटेन शो की योजना है।

भव्य धर्मशाला और यात्री निवास का होगा निर्माणः दर्शनार्थियों के लिए कई धार्मिक धर्मशालाएं, प्रवासी हॉल, वेटिंग रूम, और भक्त निवास बनाए जा रहे हैं। धर्मशाला में भोजनालय, शुद्ध जल सुविधा, स्नान गृह और शौचालय की भी व्यवस्था होगी। मंदिर परिसर के पास रामायण-थीम आधारित गार्डन और डिजिटल गैलरी बनाई जा रही है। इसमें रामायण की कथाओं पर आधारित मूर्तियां, वृत्त चित्र, और ऑडियो-विजुअल सिस्टम से रामायण कथा का प्रदर्शन होगा।

संक्षिप्त समाचार

फलदार पेड़ लगाने से छांव और फल है मिलता- निदेशक

मोतिहारी। चल रहे स्वच्छता पखवारा के तहत गुरुवार को शहर के जन शिक्षण संस्थान में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई एवं निदेशक जन शिक्षण संस्थान के द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण किया गया साथ ही एक पौधे के महत्व के बारे मे निदेशक द्वारा से बताया गया कि हर कोई अगर एक पेड़ भी लगाए तो प्रकृति को स्वच्छ बनाने में मददगार होगी। प्रकृति के साथ खेलवाड़ करने का नतीजा हम सब भुगत रहे हैं। सभी पेड़ काटकर लोग वहां पर बड़ी-बड़ी फैक्ट्री लगा रहे हैं। घर बना रहे हैं इससे हमारे जीवन रेखा पर भी असर पर रहा हैं। आगे उन्होंने ने कहा कि हम संकल्प ले कि आने वाले दिनों में हमलोग ख़ुशी के मौके पर एक पेड़ जरूर लगाएंगे। कहा कि अगर फलदार वृक्ष लगाएंगे तो छांव भी मिलेगा और फल भी मिलेगा। जन शिक्षण संस्थान के सभी उपकेंद्र पर भी कुल 750 पेड़ लगाए गए।

भारी मात्रा में चुलाई शराब बरामद, कारोबारी गिरफ्तार

145 लीटर अवैध शराब जब्त, दो वारंटियों को भी भेजा गया जेल

सुगौली। स्थानीय पुलिस ने गुरुवार को बेलइठ गांव स्थित लक्ष्मण सहनी के पोखर के पास से भारी मात्रा में अवैध देशी चुलाई शराब बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कुल 145 लीटर चुलाई शराब जब्त की है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बैराठपुर निवासी सूरत सहनी के पुत्र भदई सहनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह बेलइठ गांव के पोखर के पास शराब का अवैध कारोबार कर रहा था। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इधर, पुलिस ने फरार वारंटियों के विरुद्ध भी कार्रवाई तेज करते हुए गोड़ीगांवा निवासी मुकेश सहनी एवं नगर पंचायत क्षेत्र के चिकपट्टी निवासी अमजद हुसैन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

तुरकौलिया में 2960 लीटर स्प्रिट बरामदगी कांड: दो कारोबारी गिरफ्तार, एक पर हत्या तो दूसरे पर शराब तस्करी के कई मामले दर्ज

तुरकौलिया (मोतिहारी)। महनवा बाजार से 2960 लीटर स्प्रिट की बरामदगी मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में संलिप्त शंकरसरैया रामा सिंह टोला निवासी सुनील साह और जयसिंहपुर करमवा गांव निवासी मोहन यादव को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने जानकारी दी कि सुनील साह पर पूर्व में शराब तस्करी के कई मामले तुरकौलिया थाना में दर्ज हैं और वह पूर्व में जेल भी जा चुका है। वहीं मोहन यादव पर मारपीट, बाइक चोरी और हत्या जैसे संगीन मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। गौरतलब है कि गत मंगलवार की रात, महनवा बाजार के समीप पुलिस ने एक ट्रक को पकड़ा था, जिसमें चालक समेत 2960 लीटर स्प्रिट बरामद हुआ था। यह स्प्रिट 20 लीटर के मोबिल बाल्टियों में भरा हुआ था और ऊपर से चूना की 75 बोरियों से ढका गया था। बरामद स्प्रिट कानपुर से मंगाया गया था, जिसे अवैध रूप से खपाने की योजना थी। तलाशी के दौरान पुलिस को फर्जी दस्तावेज भी मिले थे। इस मामले में चालक, ट्रक मालिक समेत कुल आठ आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

लोक शिकायतों का निवारण हुआ आसान

मोतिहारी। पंचायत चुनाव 2020 के दौरान वाहन भुगतान लंबित रहने के मामले में शिकायतकर्ता अवनीश कुमार, ग्राम छोटा बरियारपुर, थाना छतौनी, प्रखंड मोतिहारी ने लोक शिकायत निवारण के तहत जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन दर्ज कराया था। परिवार संख्या 402110104062504502 के तहत 4 जून 2025 को इस शिकायत की सुनवाई की गई। यह मामला लोक प्राधिकार-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, पहाड़पुर से संबंधित था। परिवादी ने आरोप लगाया था कि पंचायत चुनाव के दौरान उनके वाहन को किराए पर लिया गया था, परंतु कुल 12,500 रुपये का भुगतान अब तक नहीं किया गया। सुनवाई के उपरांत जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा मुआवजा राशि के भुगतान का आदेश पारित किया गया। उक्त आदेश के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, पहाड़पुर ने 17 जुलाई 2025 को परिवादी को राशि का भुगतान कर दिया। भुगतान प्राप्त होने पर शिकायतकर्ता अवनीश कुमार ने राज्य सरकार द्वारा लोक शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु की गई प्रभावी व्यवस्था की सराहना की है।

मुरारपुर की नव-निर्वाचित मुखिया फरजाना अंसारी ने ली पद और गोपनीयता की शपथ

हरसिद्धि। मुरारपुर पंचायत उपचुनाव में निर्वाचित मुखिया फरजाना अंसारी ने गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय में पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने उन्हें शपथ दिलाई। मुखिया फरजाना अंसारी सरिसवा गांव निवासी कमरुद्दीन अंसारी की पत्नी हैं। शपथ के बाद उन्होंने कहा, "मैं सभी समुदायों के लोगों को समान दृष्टि से देखूंगी। गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाकर पक्का मकान बनवाऊंगी और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करूंगी। मैं उच्च-नीच, जाति या धर्म का कोई भेदभाव नहीं करूंगी और हमेशा सेवा भावना से कार्य करूंगी।" वहीं, मुखिया पति कमरुद्दीन अंसारी ने कहा, "मैं समाज की मुख्यधारा से जुड़कर अपने पंचायत को आदर्श पंचायत बनाने की दिशा में कार्य करूंगा। हमारी प्राथमिकता सबका साथ, सबका विकास है।" शपथ ग्रहण समारोह में मुखिया समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद रही।

दीदी नीलम आनंद की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, 25 हजार पौधे लगाने का संकल्प

बीएनएम@ मोतिहारी

शिव शिष्य हरिंद्रानंद फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को नगर भवन, मोतिहारी में शिव शिष्या दीदी नीलम आनंद जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से किया गया। जिले भर से सैकड़ों गुरुभाई-बहनों की उपस्थिति में कार्यक्रम अत्यंत भावपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीदी नीलम आनंद जी द्वारा रचित प्रसिद्ध जागरण गीत 'हर भोला जागरण' की संगीतमय प्रस्तुति के साथ हुई। जैसे ही गीत की पहली पंक्तियाँ गूंजीं, नगर भवन भक्ति भाव में डूब गया। दीदी के प्रति श्रद्धा और उनकी स्मृतियों से भाव-विह्वल होकर कई शिव शिष्यों की आंखें नम हो गईं। सभा को संबोधित करते हुए शिव शिष्य मुन्ना जी ने कहा कि दीदी नीलम आनंद जी केवल एक साधिका नहीं, बल्कि विचारों और प्रेरणाओं की मूर्तिमान रूप थीं। उन्होंने अपना पूरा जीवन सेवा, साधना और समाज के उत्थान को समर्पित कर दिया था। पर्यावरण के प्रति उनकी विशेष संवेदनशीलता उल्लेखनीय रही है। वह हमेशा शिव शिष्यों से कहती थीं, "पौधा लगाओ, जीवन बचाओ।" दीदी के इसी विचार को साकार रूप देने हेतु शिव शिष्यों ने यह संकल्प लिया कि उनके जन्मदिवस 27 जुलाई को जिले के सभी प्रखंडों में कुल 25,000 पौधे लगाए जाएंगे। सभा में उपस्थित गुरुभाई-बहनों ने दीदी से जुड़ी स्मृतियों को साझा किया और बताया कि उनका स्नेह, मार्गदर्शन और मुस्कान आज भी हम सभी के मन में जीवित है। यह श्रद्धांजलि सभा सिर्फ एक रस्म अदायगी नहीं, बल्कि उनके दिखाए मार्ग पर चलने और प्रकृति व समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प थी। कार्यक्रम में शिवशंकर सिंह, बहन सिंह, रामजी, रामनिवास कुमार, सुधा दीदी, जानकी दीदी समेत जिले भर के अनेक प्रखंडों से आए शिव शिष्यों ने भाग लिया और दीदी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। यह जानकारी भी उल्लेखनीय है कि दीदी नीलम आनंद जी इस कालखंड के प्रथम गुरुभाई श्री हरिंद्रानंद जी की धर्मपत्नी थीं। उन्होंने भगवान शिव के गुरु रूप के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में एक सक्रिय भूमिका निभाई थी। दीदी की पुण्यतिथि पर आयोजित यह सभा आध्यात्मिक चेतना, सेवा, और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पबद्धता का प्रतीक बन गई।

एमजीसीयूबी मीडिया अध्ययन विभाग के छह छात्रों की यूजीसी-नेट में शानदार सफलता

छात्रा अन्नू ने अखिल भारतीय स्तर पर हासिल किया चौथा स्थान

बीएनएम@ मोतिहारी

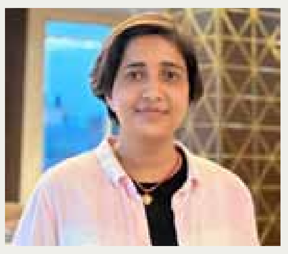

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के मीडिया अध्ययन विभाग के छह विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट जून 2025 परीक्षा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय से सफलता प्राप्त कर विभाग और विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। स्नातकोत्तर बैच 2020–2022 की छात्रा अन्नू ने पूरे भारत में चौथी रैंक के साथ जेआरएफ एवं असिस्टेंट प्रोफेसर की पात्रता हासिल की है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। बैच 2023–2025 के छात्र आशीष कुमार ने लगातार तीसरी बार असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीएचडी प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त की है। इसके साथ ही बैच 2022–2024 की छात्रा आयुषी दास, बैच 2023–2025 की रुचि भारती, तथा बैच 2024–2026 के छात्र-छात्रा श्रेया एवं अरमान अली ने पीएचडी प्रवेश के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, "पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग से हर वर्ष छात्र यूजीसी-नेट परीक्षा में सफल हो रहे हैं। यह विभाग की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा और मार्गदर्शन का प्रमाण है।" मीडिया अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार झा ने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत और विभागीय शिक्षकों के सशक्त मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेगी। सीएस एंड आईसीटी संकाय के डीन प्रो. रंजीत कुमार चौधरी, तथा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. साकेत रमण, डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. उमा यादव, डॉ. मयंक भारद्वाज और डॉ. आयुष आनंद ने भी सफल विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सफल छात्र-छात्राओं अन्नू, आशीष, आयुषी दास, रुचि भारती, श्रेया एवं अरमान अली ने अपने गुरुजनों, अभिभावकों और विश्वविद्यालय परिवार के प्रति आभार प्रकट किया।

मोतिहारी में ईमानदारी की मिसाल: ई-रिक्शा चालक ने लौटाया गुम हुआ बैटरी और इनवर्टर

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के छतौनी थाना क्षेत्र अंतर्गत हवाई अड्डा निवासी गुड्डू सिंह ने मंगलवार की शाम करीब 7:30 बजे मीना बाजार स्थित दुर्गा बैटरीक्स से एक इनवर्टर और बैटरी की खरीदारी की। उन्होंने उक्त सामान एक ई-रिक्शा पर लदवाया और चालक से कहा कि वह बाइक से आगे-आगे उनके डेरा तक चले। लेकिन कुछ ही दूरी तय करने के बाद ई-रिक्शा चालक सामान लेकर लापता हो गया, जिससे गुड्डू सिंह परेशान हो उठे। मामले की जानकारी मिलते ही ऑटो संघ के जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने इसे सभी व्हाट्सएप ग्रुप में साझा किया। इसी सूचना के आधार पर करीब एक घंटे में सीसीटीवी फुटेज की मदद से रिक्शा चालक की पहचान कर ली गई। चालक की पहचान विशाल कुमार, निवासी पचौरा के रूप में हुई। जब उससे संपर्क कर पूछा गया कि सामान क्यों नहीं पहुँचाया गया, तो उसने बताया कि "भैया आगे निकल गए और मैं रास्ता समझ नहीं पाया। काफी देर तक तलाशने के बाद मैं सामान को अपने घर ले गया।" बाद में विशाल कुमार ने उस दुकान पर जाकर जानकारी ली, जहां से सामान खरीदा गया था, और वहाँ से ग्राहक का संपर्क नंबर लेकर गुड्डू सिंह से खुद संपर्क कर सामान उन्हें सुरक्षित रूप से लौटा दिया। इस ईमानदारी के कार्य के लिए जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने विशाल कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दीं। विशाल कुमार ने यह साबित कर दिया कि ईमानदारी आज भी समाज में जीवित है।

10 अगस्त तक शत-प्रतिशत सीएमआर हस्तगत करना सुनिश्चित करें पैक्स/मिलर: जिलाधिकारी

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में सीएमआर से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, प्रखंडों के प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, सभी लंबित सीएमआर वाले पैक्स, इनसे संबद्ध मिलर इस बैठक में उपस्थित थे। जिलाधिकारी के द्वारा सख्त निर्देश दिया गया कि, किसी भी परिस्थिति में विभाग द्वारा निर्धारित अवधि 10 अगस्त 2025 तक शत-प्रतिशत सीएमआर राज्य खाद्य निगम को हस्तगत करना सुनिश्चित करें। जिन पैक्स एवं मिलरों द्वारा सीएमआर में कोताही बरती जाएगी, उनपर प्राथमिकी दर्ज करने के साथ-साथ कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में लंबित सीएमआर वाले सभी अध्यक्ष, संबद्ध मिलर, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को बुलाया गया था। जिलाधिकारी द्वारा सभी मिलरों एवं पैक्स अध्यक्षों को निर्धारित समय 10 अगस्त 2025 तक शत-प्रतिशत सीएमआर राज्य खाद्य निगम को हस्तगत करने का निर्देश दिया गया। जिन भी पैक्स एवं मिलों द्वारा निर्धारित समयावधि में सीएमआर राज्य खाद्य निगम को हस्तगत नहीं कराया जाता है, संबंधितों को चिन्हित करके कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान में मोतिहारी के दो प्रखंडों का चयन, राष्ट्रीय टीम ने किया मूल्यांकन

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज और चिरैया प्रखंड के क्रमशः मिश्रौलिया और सरौगढ़ पंचायत का चयन किया गया है। इन पंचायतों का मूल्यांकन राष्ट्रीय स्तर की टीम द्वारा किया गया, जिसमें पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केंद्रीय टीम ने गुरुवार को चयनित पंचायतों का सघन दौरा किया और विभिन्न बिंदुओं पर गहन निरीक्षण कर मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की। टीम में पंजाब सरकार से मनप्रीत सिंह और हरबंश सिंह, राज्य स्तरीय प्रतिनिधि राहुल कुमार और अनूप कुमार झा, जबकि जिला स्तरीय दल में कविता कुमारी (जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस), कुमारी राखी, रीना सिंह, पूनम कुमारी (बाल विकास परियोजना पदाधिकारी), मो. कामरान आलम (जिला समन्वयक), आदित्य राज (सीश्री), मृगांक राज, ब्रज भूषण (प्रखंड समन्वयक) एवं महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान टीम ने आंगनवाड़ी केंद्रों पर बुनियादी ढांचे और सुविधाओं का जायजा लिया, जिसमें स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, शौचालय की व्यवस्था, और बच्चों के लिए सुरक्षित, शिक्षाप्रद वातावरण की उपलब्धता का मूल्यांकन किया गया। पूरक पोषाहार वितरण की गुणवत्ता, गर्भवती महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य निगरानी, पोषण ट्रैकर का उपयोग, तथा स्वास्थ्य जांच शिविरों के आयोजन को भी गंभीरता से परखा गया। इसके साथ ही बच्चों की वृद्धि निगरानी, प्राथमिक शिक्षा के लिए उपलब्ध शिक्षण सामग्री, खिलौनों और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। विभागीय दिशा-निर्देशों के प्रति स्थानीय कर्मियों की जागरूकता की भी जांच की गई। टीम ने पोषण वाटिका का भ्रमण किया और आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित अन्नप्राशन तथा गोदभराई जैसी सामुदायिक गतिविधियों को भी देखा। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी कविता कुमारी ने बताया, "हमारा प्रयास है कि जिले के आंगनवाड़ी केंद्र केंद्र सरकार के निर्धारित मानकों पर खरे उतरें और राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएं। केंद्रीय टीम का यह भ्रमण हमें जमीनी स्तर पर मौजूद चुनौतियों को समझने और उन्हें दूर करने की दिशा में मदद करेगा।"

एमजीसीयूबी में 'प्रोफिशिएंसी इन इंग्लिश' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का भव्य उद्घाटन

104 छात्रों ने लिया प्रवेश, पुस्तक Indian Folk in the Postmodern Era का भी हुआ लोकार्पण

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा "प्रोफिशिएंसी इन इंग्लिश" प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का उद्घाटन मंगलवार को बृहस्पति सभागार, बुद्ध परिसर में संपन्न हुआ। यह पाठ्यक्रम बहु-आयामी पृष्ठभूमियों से आए छात्रों की अंग्रेज़ी भाषा दक्षता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने छात्रों को अंग्रेज़ी के परिस्थितिगत उपयोग, फ्रेज़ल वर्ब्स के अभ्यास तथा मल्टीमीडिया उपकरणों के प्रयोग की महत्ता को रेखांकित करते हुए प्रोत्साहित किया। प्रो. राजेंद्र सिंह, डीन, मानविकी एवं भाषाएं संकाय, ने पाठ्यक्रम की आवश्यकता को समयानुकूल बताते हुए अंग्रेज़ी विभाग को इस पहल के लिए बधाई दी और छात्रों से अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। अंग्रेज़ी विभागाध्यक्ष डॉ. बिमलेश कुमार सिंह ने अंग्रेज़ी भाषा के वैश्विक प्रभाव एवं शैक्षणिक-व्यावसायिक महत्व को रेखांकित करते हुए छात्रों से गंभीरता से अध्ययन करने का आह्वान किया। पाठ्यक्रम की संरचना एवं संचालन प्रणाली श्री चंदोबा बालांडे नरसिंग द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसमें पाठ्यक्रम की समय-सारणी, नियमों एवं लक्ष्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। बुद्ध परिसर के निदेशक प्रो. रंजीत कुमार चौधरी ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और अपने उद्बोधन में शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमेश पात्र द्वारा अत्यंत कुशलता से किया गया, जबकि डॉ. दीपक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय और कर्मचारियों के योगदान को सराहा। इस अवसर पर डॉ. दीपक द्वारा संपादित पुस्तक "Indian Folk in the Postmodern Era: Non-Publication, Non-Translation and Literary Theft" का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा किया गया। इस प्रथम बैच में कुल 104 छात्रों ने प्रवेश लिया है। कक्षाएं प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। समारोह में प्रो. सुनील महावर, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. आशा मीना, डॉ. अनुपम वर्मा, डॉ. श्याम नंदन, डॉ. बिस्वजीत बर्मन, डॉ. बबलू पाल, और डॉ. पंकज सिंह समेत कई प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने सहभागिता की और कार्यक्रम के प्रति उत्साह व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

युवक की करंट लगने से मौत

बखरी, बेगूसराय बेगूसराय जिले के बखरी प्रखंड अंतर्गत चकचनरपत पंचायत के वार्ड संख्या 5 में एक दर्दनाक हादसे में 28 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान रामनंदन राय, पिता बिनो राय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह घर के किसी कार्य में जुटे हुए थे, तभी दीवार से लटक रही नंगी तार ने उनकी जिंदगी छीन ली। करंट लगते ही वह मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बखरी थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। रामनंदन राय तीन भाइयों में मंझले थे और हाल ही में बाहर से अपने गांव लौटे थे। महज दस दिन पहले ही वे पिता बने थे, जिससे घर में खुशी का माहौल था। लेकिन इस हृदयविदारक हादसे ने परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया। उनकी पत्नी नेहा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि रामनंदन न केवल परिवार का सबसे जिम्मेदार सदस्य थे, बल्कि सभी के प्रिय भी थे। उनकी शादी पिछले वर्ष ही हुई थी। गांव में शोक की लहर है और हर आंख नम है।

पुलिस ने एक पियक्कड़ को किया गिरफ्तार

कोईलवर/भोजपुर। गीधा थाना क्षेत्र के कायमनगर बाजार के पास से शराब पीने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक कायमनगर निवासी दरोगा राम का पुत्र सूरज राम है। जो कायमनगर बाजार पर शराब पीकर एनएच पर बीच मे लड़खड़ाते हुए चल रहा था। सूचना पाकर मौके पर पहुँची पुलिस ने शराब की पुष्टि उपरांत उसे गिरफ्तार कर लिया।

नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को दिलाई गई पद व गोपनीयता की शपथ

पीरो/भोजपुर। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को पंचायत उपचुनाव में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाची पदाधिकारी पंचायत सुनील कुमार गौतम ने अपने कार्यालय कक्ष में नारायणपुर पंचायत के नवनिर्वाचित मुखिया विपिन बिहारी दास, ग्राम पंचायत बचरी के वार्ड नंबर 6 के पंचायत सदस्य राजू कुमार राय, ग्राम कचहरी कातर के वार्ड 4 के पंच सदस्य मीना देवी, ग्राम कचहरी अमेहता के वार्ड नंबर 7 के पंच सदस्य ललिता देवी, ग्राम कचहरी बरांव के वार्ड नंबर 8 के पंच आमिर मियां, ग्राम कचहरी कटरियां के वार्ड नंबर 7 से निर्वाचित पंच सुमित्रा देवी व ग्राम कचहरी अमई के वार्ड नंबर 1 से नवनिर्वाचित पंच देवंती देवी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। मौके पर संबंधित पंचायतों के मुखिया व ग्राम कचहरी सरपंच आदि मौजूद थे। बीडीओ सह निर्वाची पदाधिकारी ने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों से ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों के निर्वहन की अपेक्षा जताई।

जवईनियां में गंगा का कटाव जारी, दो घर विलीन, राहत व बचाव कार्य में प्रशासन मुस्तैद

शाहपुर/भोजपुर। प्रखंड क्षेत्र के दामोदरपुर पंचायत के जवईनिया गांव में गंगा का जलस्तर घटने के बाद भी गुरुवार को दो घर गंगा में विलीन हो गया। राजस्व कार्मचारी नीतीश कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर काफी नीचे बह रहा है। जिससे कटाव की चाल धीमी हो गई है। जिन लोगों का घर गंगा में विलीन हुआ है। उनमें विनोद पांडेय और ददन पांडेय का घर शामिल है। बांध में शरण लिए हुए लोगों के बीच अंचल प्रशासन द्वारा खाना खिलाया जा रहा है। बारिश व धूप से बचाव के लिए पॉलीथिन सीट का वितरण किया जा रहा है। पूर्व गुरुवार को सांसद मीना सिंह और बिस्कोमान अध्यक्ष विशाल सिंह के सौजन्य से राहत सामग्री बांटी गई। जनसुराज के मनीष कश्यप ने भी पहुंचकर पीड़ितों का हाल चाल लिया तथा हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। समाजसेवी दिनेश यादव ने बताया कि जवईनिया में चार तथा पांच दो वार्ड मिलाकर लगभग तीन सौ घर है।जिसमें आधा 150 घर आज तक गंगा में समा गया। वैसे सभी परिवार घर से अपना सामान खाली कर अपने रिश्तेदार या गांव के बांधपर शरण लिए है।

बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने को लेकर सांसद ने पीएम को दिया मांग पत्र

आरा। सांसद सुदामा प्रसाद ने बिहार में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, मुआवजा व पुनर्वास की व्यवस्था करने और बाढ़ नियंत्रण अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री को मांग पत्र दिया। जिसमे उन्होंने कहा है कि गंगा नदी, जो बक्सर से कहलगांव तक फैली हुई है, खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और इस क्षेत्र के दर्जनों गांवों और प्रखंडों को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है। भोजपुर के शाहपुर प्रखंड के जवईनिया, गंगापुर, दामोदरपुर, छोटी बहुरनपुर, सारंगपुर, सुरेमनपुर, लक्षुटोला, लालुडेरा, आरा प्रखंड के बद्रीराय के टोला, रामविचार राय के टोला, बड़हरा प्रखण्ड के मझौली, पीपर पाती, खवासपुरा, नकनाम टोला, कोईलवर प्रखण्ड के ज्ञानपुर जैसे दर्जनों गांवों में स्थिति अत्यंत गंभीर है। कटाव से पूरा का पूरा जवईनिया गाँव गंगा में विलीन हो जाने के खतरे से गुजर रहा है। गंगा का हाहाकारी जल पूरे गाँव पर आफत की तरह टूट पड़ा है। पिछले ही साल जवईनिया में एक मंदिर सहित 64 घर गंगा में विलीन हो गए थे। जबकि इस साल अभी तक हनुमान मंदिर, गोवर्धन पहाड़ समेत दो दर्जन से ज्यादा घर भहराकर गंगा नदी में विलीन हो गई है। उन्होंने कहा कि सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण भोजपुर जिले के तरारी प्रखण्ड के चारूग्राम, फतेहपुर, अवगिला, सहार, मठिया तथा कोइलवर प्रखण्ड के सेमरिया व हरीपुर जैसे गांव भी प्रभावित हुए हैं। पूरे बिहार में बाढ़ का कहर अब भी जारी है, जिससे अब तक लगभग 10 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। सांसद ने राष्ट्रीय आपदा घोषित करने तथा गंभीर रूप से बाढ़ व कटाव प्रभावित भोजपुर जिले में जवईनिया, मानिराय का टोला, मंझौली सहित सभी गांवों को विशेष पैकेज देने आदि की मांग की है।

तीन दिवसीय चलंत लोक अदालत का समापन

आरा। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना से आए सदस्यगण द्वारा तीन दिवसीय चलंत लोक अदालत 22 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक के आयोजन का गुरुवार को अंतिम दिन भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड में समापन हो गया। चलंत लोक अदालत के सदस्यगण के रूप में आए न्यायिक सदस्य राम निवास प्रसाद एवं अन्य दो सदस्य चंद्र भूषण झा, अधिवक्ता पद से एवं ऋषिकेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा विधिक जागरूकता शिविर के माध्यम से उपस्थित सभी लोगों को जागरूक किया गया। आगे न्यायिक सदस्य ने बताया कि चलंत लोक अदालत का मुख्य कार्य सुलहनीय वादों का ऑन द स्पॉट सलाह के आधार पर निष्पादन करना है।

खनिज फाउंडेशन अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा

आरा। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित योजनाओं के प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा खनिज फाउंडेशन मद से चयनित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। जिन योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, उनके शीघ्र क्रियान्वयन एवं समयबद्ध पूर्णता हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। खनिज निधि से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में श्मशान घाटों पर विद्युत शवदाह गृह का निर्माण, स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए वेस्ट स्टेबलाइजेशन पॉन्ड का निर्माण, जीविका मार्ट का निर्माण, मियावाकी पद्धति से चयनित स्थलों पर वृक्षारोपण कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों की चहारदीवारी का निर्माण, ओपेन जिम की स्थापना तथा महादलित टोला में लिंक, ब्रांच रोड का निर्माण कार्य शामिल हैं। मौके पर उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला समन्वयक जीविका सहित संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता और खान निरीक्षक उपस्थित थे।

अरेराज में मतदाता सूची शुद्धिकरण पर जोर, SIR कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

बीएनएम@ अरेराज

अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई, जिसमें अरेराज प्रखंड के सभी BLOs (बूथ लेवल ऑफिसर), सुपरवाइज़र, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (AEROs) और प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य SIR कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करना और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देना था। अनुमंडल पदाधिकारी ने मतदाता सूची में अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत मतदाताओं की प्रविष्टियों पर विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। सभी BLOs, सुपरवाइज़र और AEROs को इन प्रविष्टियों की जांच अत्यंत सावधानीपूर्वक करने का निर्देश दिया गया है। विशेष रूप से, मृत मतदाताओं की पुष्टि के लिए भौतिक रूप से व्यक्तिगत सत्यापन को अनिवार्य किया गया है, जिसकी जिम्मेदारी सुपरवाइज़र और AERO को दी गई है। इसके अतिरिक्त, सभी BLOs को अपने क्षेत्र के BLA (बूथ लेवल एजेंट) को मृत, अनुपस्थित और स्थानांतरित मतदाताओं की सूची प्रदान करने और उसकी प्राप्ति रसीद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया। मतदाताओं के दस्तावेज़ एकत्र करने की प्रक्रिया को सरल बनाने और सत्यापन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए वर्ष 2003 की मतदाता सूची का विश्लेषण करने का भी निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध और सत्यापनयुक्त कार्य संपादन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सरकार की मुफ्त बिजली योजना से उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

बीएनएम@ रक्सौल

बिहार सरकार की राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा को ज़मीनी स्तर पर उतारने के लिए रक्सौल डिविजन कार्यालय के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता गौतम गोविंदा की अध्यक्षता में हुई इस समीक्षा बैठक में योजना को 'युद्ध स्तर' पर सभी उपभोक्ताओं तक पहुँचाने पर ज़ोर दिया गया। अधीक्षक अभियंता गौतम गोविंदा ने बताया कि सरकार की इस मुफ्त बिजली की सौगात को हर घरेलू उपभोक्ता तक पहुँचाना विधुत विभाग कि सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशाखा स्तर पर टीमों का गठन करने का निर्देश दिया गया है। सेक्शन वाइज समीक्षा के क्रम में अधीक्षण अभियंता ने राजस्व संग्रहण, कृषि कनेक्शन का निष्पादन एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति को लेकर सख्त हिदायतें दी। वहीं कार्यपालक अभियंता अजय कुमार बैठक में मौजूद सभी जेई एवं सुपरवाइजरों को अपने कर्तव्यों के प्रति सजगता से रहने एवं उपभोक्ताओं के हित में आपूर्ति व्यवस्था को बिल्कुल दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। साथ ही सभी एमआरसी तथा मानव बलों पर अंकुश रखने का निर्देश दिया गया। बताया गया कि रक्सौल डिवीजन में 2 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ता हैं और इन सभी को मुफ्त बिजली योजना का लाभ मिलेगा। बैठक में वरिष्ठ प्रबंधक (राजस्व) मोतिहारी समन कुमार, सहायक विद्युत अभियंता सुनील रंजन, आलोक कुमार, कनीय विद्युत अभियंता मनीष कुमार, मो. ग़ालिब, रवि कुमार, दुर्गानंद कुमार, प्रीतम कुमार बंटी, जोनल मैनेजर अभिषेक कुमार, संजय कुमार, सुपरवाइजर कुश कुमार, ऋषिकेश आजाद, तारिक मंजर और प्रवीण कुमार सहित सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नावकोठी थाना के पुलिस ने बरामद किए दो गुमशुदा मोबाइल धारकों को सौंपे

बीएनएम@नावकोठी बेगूसराय

नावकोठी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत खोये हुए दो मोबाइल फोन को बरामद कर मोबाइल धारक को उपलब्ध कराया है.मोबाइल धारक समसा पंचायत के जीतपुर के पंचायत समिति सदस्य गौतम गोस्वामी तथा हसनपुर बागर के शम्भू सिंह हैं. गौतम गोस्वामी का मोबाइल दिसम्बर 2022 में चकमुजफ्फर के निकट खो गया था तो शम्भू सिंह का मोबाइल दुकान पर से नवम्बर 2023 में किसी अज्ञात के द्वारा ले लिया गया था.

लंबी अवधि के बाद मोबाइल फिर से मिलने पर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार,सब इंस्पेक्टर रंजीत कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया.उनलोगों ने बताया कि मोबाइल फिर से मिलने की आशा छोड़ चुके थे.पुलिस पदाधिकारी ने मेहनत कर मोबाइल बरामद कर उपलब्ध कराया है.

मानिकपुर में मूंगफली की लहलहाती फसल देख कृषि विभाग की टीम हुई गदगद

बीएनएम@हरसिद्धि

हरसिद्धि प्रखंड की भूमि मूंगफली और धैंचा के लिए उपयुक्तः कृषि विशेषज्ञों की टीम

कृषि विभाग की परियोजना प्रबंधन टीम ने गुरुवार को मानिकपुर और ओलहा मेहता टोला पंचायत में जाकर खेतों का निरीक्षण किया और मूंगफली व ढैंचा की फसलों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान टीम ने मूंगफली की फसल की स्थिति देख प्रसन्नता जाहिर की। निरीक्षण टीम में कृषि परामर्शी डॉ. मुकेश कुमार, तकनीकी सहायक अनिल सिंह एवं सुधीर कुमार शामिल थे। टीम ने बताया कि विभाग की ओर से मानिकपुर राजस्व ग्राम के किसानों को मूंगफली के प्रत्यक्षण बीज उपलब्ध कराए गए थे। टीम ने खेतों में जाकर यह सुनिश्चित किया कि किसानों ने बीजों का सही उपयोग करते हुए मूंगफली की बुआई की है। टीम ने राजेंद्र कुशवाहा, पन्नालाल साह और राजेंद्र प्रसाद सहित अन्य किसानों के खेतों में मूंगफली के हरे-भरे पौधे देखे। डॉ. मुकेश ने खुद खेत से पौधे उखाड़कर उनकी जड़ में लगे फल की जांच की और कहा कि हरसिद्धि प्रखंड की मिट्टी मूंगफली की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। इस दौरान टीम ने बारमसवा गांव के किसान नारद राय के खेत में धैंचा की फसल का भी अवलोकन किया। यह फसल भी विभाग द्वारा प्रायोजित की गई थी। डॉ. मुकेश कुमार ने बताया कि किसान सलाहकार ठाकुर जयराम सिंह और संतोष सिंह की मेहनत और किसानों को समय-समय पर दी गई सलाह का यह नतीजा है कि क्षेत्र में वैकल्पिक फसलों की ओर किसानों का रुझान बढ़ा है। उन्होंने इन दोनों सलाहकारों के प्रयासों को अनुकरणीय बताया। निरीक्षण के दौरान अनेक स्थानीय किसान भी उपस्थित थे, जिन्होंने टीम के समक्ष अपनी खेती से जुड़ी समस्याएं और अनुभव साझा किए।

खाद एवं यूरिया दुकान को किया गया सील

चंपारण केसरी@ बगहा

पश्चिम चंपारण के जिला पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार के आदेश के आलोक में गुरुवार को बगहा अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा बगहा 2 अंतर्गत भड़छी पंचायत में खाद एवं यूरिया दुकानों की जांच की गई ।राय खाद भंडार के संचालक जयनारायण राय पॉश मशीन , भंडार पंजी वितरण पंजी की मांग की गई वितरण पंजी सही संधारण नही था एवं पॉश मशीन में यूरिया की स्टाक शून्य पाया गया तथा भौतिक सत्यापन गोदाम में लगभग 85 बोरा यूरिया पाया गया ।दुकान के खाद खरीदने वाले बाहर ग्राहकों की लंबी भीड़ लगी हुई थी। ग्राहकों से पूछने पर बताया गया कि 3 तीन दिन से लाइन में लगे हैं परंतु अभी तक यूरिया नहीं प्राप्त हुआ हैं। अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार द्वारा जांच में संबद्ध कृषि समन्वयक अमलेश कुमार बगहा 2 को दुकान को सील करते हुए संबंधित थाना लौकरिया में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया गया ।

125 यूनिट तक मुफ्त बिजली योजना पर चर्चा

बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

चंपारण केसरी@बेतिया

जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को बिजली आपूर्ति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे जिले में निर्बाध और सुचारु बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा शिकायतों का त्वरित समाधान करें। बैठक में घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यपालक अभियंता, विद्युत ने बताया कि जिले में कुल 4,62,032 सक्रिय उपभोक्ता हैं, जिनमें से 3,49,098 उपभोक्ताओं का बिजली बिल अब शून्य हो जाएगा। 125 यूनिट तक की खपत पर उपभोक्ता को ऊर्जा शुल्क, फिक्स्ड चार्ज और बिजली शुल्क से पूरी तरह छूट दी जाएगी। 125 यूनिट से अधिक खपत होने पर अतिरिक्त यूनिट पर अनुदान दर से शुल्क लिया जाएगा, साथ ही उस पर बिजली शुल्क और फिक्स्ड चार्ज भी लागू होगा। मासिक खपत की गणना औसतन 30 दिनों के आधार पर की जाएगी। उदाहरण के तौर पर, यदि बिलिंग अवधि 40 दिन की है और उपभोक्ता ने 200 यूनिट बिजली खर्च की है, तो 167 यूनिट तक छूट मिलेगी। बैठक में यह भी बताया गया कि उपभोक्ताओं को अगले तीन वर्षों में 1.1 किलोवाट सौर संयंत्र लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं को इसके लिए पूर्ण अनुदान मिलेगा, जबकि अन्य घरेलू उपभोक्ताओं को भी सब्सिडी दी जाएगी।

किसानों को नैनो यूरिया और डीएपी के उपयोग का प्रशिक्षण

बीएनएम@ जगदीशपुर/भोजपुर

जगदीशपुर प्रखंड के हरिगांव पंचायत के रामनगर गांव में इफको किसान मित्र समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में किसानों ने भाग लिया और नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, सागरिका और नैनो जिंक के उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह कुशवाहा ने की। वरीय वैज्ञानिक डॉ पीके द्विवेदी ने किसानों को बताया कि संतुलित उर्वरक का प्रयोग करके फसल की गुणवत्ता और उत्पादकता में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मिट्टी की जांच कराना और सल्फर, कैल्शियम और पोटाश की कमी को पूरा करना आवश्यक है। डॉ रमेश कुमार ने बताया कि नैनो यूरिया प्लस और नैनो डीएपी का उपयोग करने से फसल की गुणवत्ता और क्वालिटी में सुधार होता है और स्वाद भी अच्छा रहता है। पैक्स अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह कुशवाहा ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से किसानों को अपनी फसल की उत्पादकता बढ़ाने और आमदनी में वृद्धि करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत में इस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता है। पैक्स अध्यक्ष अशोक सिंह ने भी प्रशिक्षण की सराहना की और कहा कि इससे किसानों को बहुत लाभ होगा। कार्यक्रम में वरीय वैज्ञानिक डॉ पीके द्विवेदी, इफको कृषि प्रबंधन डॉक्टर रमेश, क्षेत्र अधिकारी शिशिर कुमार सिंह, बिस्कोमान भोजपुर के रेंज ऑफिसर अमित रंजन, दीपक कुमार, अंकित विवेक और अविनाश सहित अन्य मौजूद थे।

आरा की बेटी सपना ने रचा इतिहास, तीरंदाजी प्रतियोगिता में जीता दो स्वर्ण और एक रजत पदक

बीएनएम@ आरा

अमेरिका से वापस आने पर हुआ जोरदार स्वागत, डीएम - एसपी ने किया सम्मानित

भोजपुर की बेटी और सीमा सुरक्षा बल की आरक्षी सपना कुमारी ने 21वें विश्व पुलिस फायर गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी प्रतियोगिता में दो स्वर्ण एवं एक रजत पदक जीतकर जिले के साथ साथ पूरे बिहार का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।भोजपुर जिला के मुख्यालय आरा के रस्सी बगान नवादा की मूल निवासी सपना बीएसएफ हरियाणा में कार्यरत हैं। गुरुवार को बर्मिंघम अमेरिका से तीरंदाजी गेम में मेडल जीत कर आई सपना कुमारी का भव्य स्वागत स्टेशन परिसर में फूलमाला एवं बुके देकर किया गया। तत्पश्चात जुलूस निकाला गया जो नवादा थाना से होते हुए, आरा क्लब, आरा ब्लॉक, खेल भवन, पकड़ी चौक, जज कोठी होते हुए वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में पहुंचा। जहां सपना कुमारी का जोरदार स्वागत प्रयास एक कोशिश बदलाओं के फाउंडेशन के बैनर तले किया गया। स्वागत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आरा नगर निगम के मेयर श्रीमती इंदु देवी उपस्थित रही। उन्होंने कहा कि सपना ने केवल आरा का ही नही बल्की पूरे बिहार के साथ साथ देश का नाम भी रौशन किया है। मौके पर प्रयास संस्था के डायरेक्टर कुमार प्रतीक, कुमार मंगलम समेत सदस्यों में भुवन पांडे, उत्सव राठौर, अभिमन्यु कुमार, मृत्युंजय कुमार, त्यागी आर्चरी अकादमी के डायरेक्टर नीरज कुमार सिंह, क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर के कोच कुमार विजय, कुंदन राज सिंह, पंकज फिजिकल अकादमी के पंकज कुमार समेत अन्य मौजूद थें। वही पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने भी सपना को फूल माला एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इधर, सपना के अभूतपूर्व उपलब्धि पर जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया एवं जिला खेल पदाधिकारी भोजपुर द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने सपना कुमारी को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फीस में बेजा बढ़ोतरी तार्किक नहीं

दिल्ली विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में पढ़ाई महंगी होने जा रही है। विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की फीस में जल्द ही इजाफा हो सकता है। विश्वविद्यालय ने अपने अंडरग्रेजुएट कोर्सेज की फीस में इजाफा करने का मन बना लिया है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी कोर्स की फीस दो लाख रुपये के पार चली जाएगी। इन दो कोर्सेज की फीस बढ़ा कर दो लाख 8 हजार 550 रुपये की जा सकती है। एमए और पीएचडी कोर्सेज की फीस में भी इजाफा होगा। इसी प्रकार कई अन्य कोर्सेज में भी बढ़ोतरी की जानी है। बेशक, उच्च शिक्षा में इजाफा छात्रों और उनके अभिभावकों पर खासा बोझ बढ़ाने वाला साबित होगा। वैसे ही हमेशा से उच्च शिक्षा का खर्च आम परिवारों की पहुंच से बाहर ही रहा है। इंजीनियरिंग, मेडिकल और प्रबंधन जैसे पाठ्यक्रमों में आम परिवार का छात्र सफल भी रहता है, तो अपनी प्रतिभा के बल पर स्कॉलरशिप आदि पाकर ही सफल हो पाता है। यदि फीस आदि में सहूलियत न मिले तो यकीनन इन पाठ्यक्रमों का शिक्षण व्यय आम परिवार की पहुंच से बाहर है। अब लॉ के अलावा बंगाली जैसी भाषाओं के पाठ्यक्रमों की फीस बढ़ा कर शिक्षा को महंगा करने का फैसला लिया जा चुका है। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षण खर्च और एक निजी विश्वविद्यालय में होने वाले पढ़ाई पर खर्च में कोई ज्यादा अंतर नहीं रह जाएगा। यह समाज के बड़े तबके के हित पर कुठाराघात ही कहा जाएगा। इस प्रकार से फीस में बढ़ोतरी की तैयारी से लगता है कि सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में निजीकरण की दिशा में अपने कदम और तेज करने का मन बना लिया है। फीस बढ़ोतरी संबंधी प्रस्ताव को विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने हरी झंडी दे दी है। संभवतः 2025-26 के सत्र से इसे कार्यान्वित भी कर दिया जाए। एक ऐसे देश में जहां बड़ी आबादी जैसे-तैसे मिनिमम स्तर पर गुजारा कर पा रही है, उसके नौनिहालों के आगे बढ़ने की संभावनाओं को कुंद करना उचित नहीं कहा जा सकता। कहना न होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन अपने महंगे होते बंदोबस्त के नाम पर अपने फैसले को जस्टिफाई करेगा। लेकिन एक केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा मात्र इस तर्क के सहारे फीस में बेजा बढ़ोतरी को तार्किक नहीं कहा सकता।

साइबर अपराधियों को आजीवन कारावास और मृत्यु दंड देने की आवश्यकता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

किसी भी व्यक्ति के जीवन भर की पूंजी को एक धोखे से छीन लेना वास्तव में यह उसके जीवन के साथ सिर्फ एक छलावा नहीं, उसे जीते जी मार देना है। ऐसे में अपराधियों को कुछ सालों का कारावास या अर्थदण्ड नहीं बल्कि उसे जब तक वह जीवित रहे, सलाखों के पीछे जीवन बिताए, यह सजा दी जानी चाहिए। यह सख्ती इसलिए भी जरूरी है ताकि फिर वह कभी किसी दूसरे के साथ धोखा न कर सके। वस्तुतः भारत में साइबर फ्रॉड के आंकड़े आज आम जन को बहुत डरा रहे हैं, इसलिए ही यह बात यहां कही जा रही है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह ध्यान में आया है कि देशभर में 2023 के दौरान साइबर अपराध के जरिए 7,465 करोड़ रुपये की ठगी हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 206 प्रतिशत की उछाल के साथ 22,845 करोड़ तक पहुंच गया था। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) और सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम (सीएफसीएफआरएमएस) पर 2024 में कुल 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें दर्ज की गई हैं। कहना होगा कि यह आंकड़ा 2023 में दर्ज 24.4 लाख मामलों से कहीं अधिक है और यह तब है जब भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए सख्त कानून मौजूद हैं। ये कानून मुख्य रूप से "सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000" और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत लागू होते हैं। जिसमें कि धाराएं 419, 420, 468, 469 आदि भी साइबर अपराधों में लागू की गई हैं। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने लोकसभा में जानकारी में बताया है कि 2024 में 22.7 लाख साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज हुईं, जबकि 2023 में यह संख्या 15.9 लाख थी। यानी एक साल में साइबर क्राइम में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। स्वभाविक तौर पर यह देशभर में आमजन के लिए चिंता का विषय है। हालांकि सरकार ने इस चुनौती से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। सिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम की मदद से अब तक 17.8 लाख शिकायतों के आधार पर लगभग 5,489 करोड़ रुपए की रकम को धोखाधड़ी से बचाया जा चुका है। दूसरी ओर पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार ने 9.42 लाख से अधिक सिमकार्ड और 2,63,348 मोबाइल आईएमईआई को ब्लॉक किया है और अब तक 10,599 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार भी किया है, किंतु इसके बाद भी ये साइबर अपराध हैं कि कम होने का नाम नहीं ले रहे। गहन विचार करेंगे तो ध्यान में आएगा कि आखिर ऐसा क्यों है? वस्तुतः इसके पीछे जो सबसे बड़ा कारण दिखाई देता है, वह अपराधियों को प्रायः सख्त और आजीवन मिलने वाली सजा की कमी का होना है। साइबर अपराधों के लिए देश में संभवतः पहली बार इसी साल और इसी माह जुलाई में एक निचली अदालत का निर्णय देखने को मिला है, जिसमें कि नौ साइबर अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इन्होंने 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी देकर कई करोड़ रुपये की उगाही की थी। अदालत ने इस अपराध को "आर्थिक आतंकवाद" से कम नहीं माना। महाराष्ट्र, हरियाणा और गुजरात से गिरफ्तार किए गए इन नौ दोषियों में एक महिला भी है, जिन्होंने पूरे भारत में 108 लोगों को धोखा देकर 100 करोड़ रुपये जमा किए। कल्याणी के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुबर्टी सरकार, ने उन्हें बीएनएस 338 (जिसमें दस्तावेजों की जालसाजी शामिल है) के तहत आजीवन कारावास और बीएनएस तथा आईटी अधिनियमों के तहत 10 अन्य दंडनीय अपराधों में सजा सुनाई है। इसके अलावा

देखें तो आतंकवाद के प्रकरणों में अनीस शकील अंसारी जोकि एक कंप्यूटर इंजीनियर है को मुंबई न्यायालय द्वारा अक्टूबर 2022 में आईटी एक्ट धारा 66एफ (साइबर आतंकवाद) और तत्कालीन आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। यह एक अमेरिकी स्कूल पर हमले की साजिश जिसे आईएसआईएस ने रची थी में सक्रिय पाया गया। देश की सुरक्षा से जुड़े एक अन्य प्रकरण में नागपुर जिला अदालत ने 3 जून 2024 को पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) को संवेदनशील जानकारी लीक करने के आरोप में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। पिछले दो वर्ष वर्ष 2023 एवं 2024 का तुलनात्मक आंकड़ा हमारे सामने हैं ही। जिसमें साफ दिखता है कि 36.40 लाख वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें पिछले साल आईं किंतु सजा यदि देखें तो आजीवन कारावास 2024 में सिर्फ एक को ही हो सका। वहीं, इस साल भी सिर्फ एक मामले में साइबर फ्रॉड के लिए आजीवन कारावास की सज़ा दी जा सकी है। कुल मिलाकर देखें तो आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराध करने के बाद प्रायः अपराधी लम्बे समय तक जेलों में नहीं रहते, वे अक्सर आर्थिक दंड देने के साथ कम समय की सजा पाकर छूट जाते हैं। कई बार साक्ष्यों के आधार पर और कई बार नाबालिग होने की स्थिति में यह छोड़ दिए जाते हैं जिसमें कि अक्सर बाहर आकर ज्यादातर अपराधी फिर से साइबर धोखाधड़ करते हैं। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि एक तरफ देश का हर व्यक्ति साइबर विशेषज्ञों और सरकार द्वारा सुझाए गए सुरक्षा उपायों को व्यवहार में अपनाए तो दूसरी ओर यह भी आवश्यक है कि कानूनों को भी अत्यधिक सख्त बनाया जाए। किसी की भी जीवन भर की कमाई उड़ा देने वालों को इतनी आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता, जैसा कि ये अभी ज्यादातर बचकर बाहर आ जा रहे हैं। कहना होगा कि लोकसभा में इससे जुड़े आंकड़े प्रस्तुत करने भर से इस समस्या की चिंताओं से निजात नहीं पाई जा सकती है, इसके लिए व्यवहार में कठोर कदम उठाए जाने की वर्तमान में अत्यधिक आवश्यकता है। जिस पर केंद्र सरकार को गहराई से गौर करना चाहिए।

न्याय सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक और जवाबदेह प्रणाली की जरूरत

प्रियंका सौरभ

2006 के मुंबई लोकल ट्रेन धमाकों में लगभग 189 लोगों की जान गई। लगभग 19 वर्षों तक चले मुकदमे के बाद जब उच्चतम न्यायालय ने सबूतों के अभाव में 12 अभियुक्तों को बरी कर दिया, तो यह न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों और अभियोजन की निष्क्रियता पर गहरी चोट थी। कमजोर जांच, फॉरेंसिक लापरवाही, जबरन कबूलनामे और गवाहों की सुरक्षा की अनदेखी ने पूरे मामले को खोखला बना दिया। यह घटना हमें बताती है कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक, निष्पक्ष और जवाबदेह प्रणाली की आवश्यकता है। मुंबई में वर्ष 2006 में हुए लोकल ट्रेन धमाके देश के इतिहास की सबसे भयानक आतंकी घटनाओं में से एक थे। सात जगहों पर ट्रेनों में बम विस्फोट कर 189 लोगों की जान ली गई और लगभग 800 से अधिक लोग घायल हुए। यह हमला केवल मानव शरीरों पर नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की आत्मा पर किया गया था। पूरा देश सन्न रह गया था। भय, आक्रोश और असहायता के बीच एकमात्र आशा थी– न्याय की। परंतु जब लगभग 19 वर्षों बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले के 12 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया, तब एक बार फिर यह प्रश्न गूंजने लगा कि क्या हमारे देश में पीड़ितों को कभी न्याय मिल भी पाता है? यह निर्णय केवल एक अदालती प्रक्रिया का परिणाम नहीं था, बल्कि यह उस व्यवस्था की पोल खोलने वाला था जिसमें जांच एजेंसियों की निष्क्रियता, अभियोजन की लापरवाही और राजनीतिक हस्तक्षेप की मिलीजुली साजिश वर्षों से न्याय को घुटनों पर लाने का कार्य कर रही है। किसी भी न्यायालय का कार्य तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया के आधार पर निष्पक्ष निर्णय देना होता है। लेकिन जब जांच ही लचर हो, जब सबूत इतने कमजोर हों कि अदालत उन्हें स्वीकार ही न करे, तो फिर न्यायालय भी विवश हो जाता है। इस मामले में आरोपियों को सज़ा न मिल पाने का दोष न्यायालय पर मढ़ना आसान है, लेकिन वास्तव में जिम्मेदार वे अधिकारी हैं जिन्होंने इस गंभीर आतंकी हमले की जांच को हल्केपन और जल्दबाज़ी से अंजाम दिया। कई आरोपियों के कबूलनामे जबरन करवाए गए, जो कि भारतीय न्यायिक प्रक्रिया में स्वीकार्य नहीं हैं। विस्फोट स्थलों से फॉरेंसिक साक्ष्य समय पर एकत्रित नहीं किए गए। गवाहों की सुरक्षा को नज़रअंदाज़ किया गया। चार्जशीट्स में विरोधाभासी बातें सामने आईं और अभियोजन पक्ष अदालत में अपना पक्ष मजबूती से नहीं रख सका। इन सबका परिणाम यह हुआ कि वे लोग जो सालों से दोषियों को सज़ा दिलाने की उम्मीद में अदालतों के चक्कर काट रहे थे, उन्हें अंत में निराशा ही हाथ लगी। क्या इस देश में किसी आम आदमी की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या पीड़ित परिवारों की आंखों के आँसू, उनकी टूटती उम्मीदें और उनके जीवन की असुरक्षा हमारी व्यवस्था को झकझोरने के लिए काफी नहीं? न्याय केवल अदालत में फैसले देने की प्रक्रिया नहीं है, वह समाज के उस विश्वास की रीढ़ है जो शासन और प्रशासन पर टिका होता है। यदि बार-बार अपराधी बच निकलें, आतंकवादी छूट जाएं और पीड़ित सालों अदालतों की सीढ़ियां चढ़ते रहें तो वह विश्वास ताश के पत्तों की

तरह ढह जाता है। मुंबई ट्रेन धमाके की जांच जिस प्रकार से की गई, वह बताता है कि हमारी जांच एजेंसियां न केवल तकनीकी रूप से कमजोर हैं, बल्कि वे राजनीतिक दबाव में काम करने के लिए अभिशप्त भी हैं। भारत में जांच का ढांचा ब्रिटिशकालीन मानसिकता पर आधारित है, जिसमें अपराधी को पकड़ने से ज़्यादा उसे "दिखाने" पर ज़ोर होता है। और जब मामला आतंकवाद से जुड़ा हो, तो कई बार बेकसूरों को पकड़ कर जनता के गुस्से को शांत करने की कोशिश की जाती है। इससे असली अपराधी कभी पकड़ा ही नहीं जाता और सारा केस अदालत में दम तोड़ देता है। इस मामले में भी कई ऐसे पहलू हैं जो चिंता पैदा करते हैं। जैसे – जांच में देरी, सबूतों का वैज्ञानिक तरीके से संग्रह न होना, अभियुक्तों के विरुद्ध पर्याप्त तकनीकी साक्ष्य न होना, और गवाहों का मुकर जाना। इन सब कमियों के बावजूद यदि हम न्याय की उम्मीद करें, तो यह केवल छलावा होगा। वास्तव में न्याय प्रणाली को समयबद्ध, वैज्ञानिक और जवाबदेह बनाने के लिए एक सम्पूर्ण सुधार की आवश्यकता है। सबसे पहले तो अभियोजन विभाग को पुलिस से अलग कर स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अभियोजन किसी राजनीतिक दबाव या पुलिस की एकतरफा जांच का हिस्सा नहीं बनेगा। दूसरे, गवाह सुरक्षा कानून को प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। आतंकवाद जैसे मामलों में गवाहों को धमकाना बहुत आम है, जिससे वे अदालत में बयान बदल देते हैं। तीसरे, जांच एजेंसियों को तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण दिए जाने चाहिए ताकि वे डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्यों को प्रभावी रूप से इकट्ठा कर सकें। चौथे, फास्ट ट्रैक अदालतें बनाकर ऐसे मामलों की सुनवाई समयबद्ध तरीके से करनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को 19 साल तक न्याय की प्रतीक्षा न करनी पड़े। और पांचवां, यदि कोई जांच एजेंसी जानबूझकर कमजोर चार्जशीट बनाती है, तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पक्ष है– मीडिया की भूमिका। मीडिया को भी आत्ममंथन करना होगा। जब कोई मामला अदालत में हो, तब मीडिया द्वारा किसी को दोषी या निर्दोष घोषित कर देना, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करता है। मीडिया ट्रायल से गवाहों पर दबाव बनता है और जनता का पूर्वग्रह उभरता है। यह भी कारण है कि न्याय अपने नैतिक स्वरूप से दूर होता जा रहा है। आख़िर में यही कहा जा सकता है कि न्याय केवल कागज़ी प्रक्रिया नहीं है, वह एक जीवंत विश्वास है, जो प्रत्येक नागरिक के मन में इस सोच के साथ पलता है कि कोई उसके साथ अन्याय नहीं कर सकता। जब यह विश्वास टूटता है, तब देश की आत्मा घायल होती है। मुंबई ट्रेन धमाकों के पीड़ितों के साथ जो हुआ, वह केवल एक अदालती मामला नहीं है- वह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है।

मेष राशिः आज का दिन बेहतरीन साबित होगा। घर परिवार में आप अच्छा समय बिता पाएंगे। बड़े भाई-बहनों का सहयोग भी आपको प्राप्त होगा। आपके कुछ अटके हुए कार्य भी आज के दिन पूरे हो सकते हैं। लेखन के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को आज के दिन नए अनुभव प्राप्त हो सकते हैं। किसी भी ऐसे काम को आज के दिन हाथ में न लें जिसे करने में आप हिचकिचाते हैं।

वृष राशिः बिजनेस में इस राशि के लोगों को बड़ा धन लाभ हो सकता है। आज के दिन गणेश जी की कृपा आप पर बनी रहेगी। सामाजिक स्तर पर आप अपने बातों को खुलकर रख पाएंगे और लोग आपकी ओर आकर्षित भी होंगे। 7 किसी पुराने दोस्त से आज आपकी मुलाकात होने की भी संभावना है। पुराने समय की यादें ताज होंगी और आपको इससे मानसिक सुकून भी प्राप्त होगा।

मिथुन राशिः इस राशि के जातकों को किसी को दिया हुआ धन आज आपको वापस मिलेगा, जिसका उपयोग आप अन्य कार्य के लिए भी कर सकते हैं। शादीशुदा रिश्ते में चल रही अनबन आज खत्म होगी , आपके रिश्ते में नयापन आएगा। माता-पिता की किसी दिली ख्वाहिश को आज के दिन इस राशि के कुछ जातक पूरा कर सकते हैं। आपके काम करने की गति से कार्यक्षेत्र में लोग चकित होंगे। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

कर्क राशिः आज आप किसी धार्मिक स्थल पर यात्रा के लिए जा सकते हैं, जहां आपके अशांत मन को शांति मिलेगी। बच्चे आज आपसे कुछ बात कर सकते हैं, आपको उनकी पूरी बात जरुर सुननी चाहिए। कला में रूचि रखने वालों को आज अनुभवी व्यक्तियों के साथ काम करने का मौका मिलेगा, जो उनके करियर को आगे बढ़ने में मदद करेगा। आपकी रुकी हुई योजनाएं किसी दोस्त की मदद से फिर से शुरू हो सकती है।

सिंह राशिः आज किसी काम को लेकर पड़ोसी से मदद मिलने की संभावना बन रही है। आज अचानक घर पर मेहमान का आगमन हो सकता है, परिवार में चहल – पहल बनी रहेगी। आपके द्वारा कही गई बातें सामाजिक स्तर पर लोगों को पसंद आएंगी। राजनीति के क्षेत्र में हैं तो आपके प्रशंसकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

कन्या राशिः कन्या राशि के जातक आज के दिन ऊर्जा से ओतप्रोत रहेंगे जिसके चलते इन्हें करियर के क्षेत्र में आशातीत लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगें, जो आपको ऊंचाई तक पहुंचाने में मदद करेंगे। जीवनसाथी के साथ आज आप मूवी देखने जा सकते हैं और किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर करके आपको ख़ुशी मिलेगी। सेहत को लेकर आज के दिन आपको लापरवाही बरतने से बचना चाहिए।

तुला राशिः आज व्यापारिक दृष्टि से आपको बढ़िया धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आपकी समझदारी से भरी बातें लोगों को खूब भाएंगे। प्रेम जीवन में भी इस राशि के जातकों को अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। रुकी हुई योजनाओं पर फिर से विचार करने का यह अच्छा समय है।

वृश्चिक राशिः अपनी वाणी से वृश्चिक राशि के लोग जीवनसाथी का दिल आज जीत सकते हैं। आपकी अधूरी योजनाएं फिर से शुरू हो सकती हैं। किसी काम को लेकर आज आपकी बात कलीग से हो सकती है, काम पूरा हो जाएगा। किसी समस्या से आज आपको छुटकारा मिलेगा, मन प्रसन्न रहेगा। आपकी छोटी बहन कोई खुशखबरी आज के दिन आपको सुना सकती है और इससे आपका दिन बन जाएगा।

धनु राशिः ऑफिस में सहकर्मियों का साथ मिलेगा और आज आपका पेंडिग वर्क कम्पलीट हो जाएगा। दाम्पत्य जीवन में ताल – मेल बना रहेगा , बच्चे आज खूब उछल – कूद मंचाएंगे। बच्चों के साथ आज इस राशि के जातकों को बेहतरीन समय बिताने का मौका मिल सकता है। कुछ लोग आज के दिन किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का प्लान भी बना सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज हार्डवेयर का काम करने वालो को बढ़िया धन लाभ होगा, आज आपको बड़ा आर्डर मिलने की संभावना बनती दिख रही है। आज आप जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बिठाने की पूरी कोशिश करेंगे। जिन कार्यों को करने में अक्सर आप घबराते हैं उन्हें भी आज के दिन आसानी से पूरा कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः आपकी सेहत में अच्छे बदलाव आने से आज के दिन का भरपूर लाभ आप उठा पाएंगे। खेलकूद में भी इस राशि के जातक हिस्सा ले सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है। आज आपके अटके हुए कार्य को गति मिलेगी, जिससे आपको सुकून मिलेगा। आज योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर आपको उसमें सफलता मिलेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप बिजनेस में अपने सहयोगियों की मदद से आगे बढ़ेंगे, आपके पेरेंट्स गर्व महसूस करेंगें। शिक्षा के क्षेत्र में जो परेशानियां बीते समय में आयी थीं उनका आपको हल आज के दिन मिल सकता है।

जल संकट : टिकाऊ प्रबंधन की अनिवार्यता

डॉ. शैलेश शुक्ला

विश्व बैंक (2025): विश्व बैंक की एक हालिया रिपोर्ट (अप्रैल 2025) में कहा गया है कि भारत, जो विश्व की 18% आबादी का घर है, के पास केवल 4% जल संसाधन उपलब्ध हैं, जिससे यह विश्व के सबसे अधिक जल-तनावग्रस्त देशों में से एक है। जलवायु परिवर्तन और अनियमित मानसून ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। विश्व बैंक के अनुसार, वैश्विक स्तर पर लगभग 2.2 अरब लोग सुरक्षित पेयजल की पहुंच से वंचित हैं और 4.2 अरब लोगों को स्वच्छता सुविधाओं का अभाव है। भारत में, नीति आयोग की 2018 की रिपोर्ट ने चेतावनी दी थी कि 2030 तक देश के 40% से अधिक हिस्से में गंभीर जल संकट हो सकता है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहर पहले ही डे ज़ीरो की स्थिति का सामना कर चुके हैं, जहां जल स्रोत पूरी तरह सूख गए। यह आंकड़ा और भी भयावह है : भारत में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1951 में 5,177 घन मीटर से घटकर 2025 में केवल 1,341 घन मीटर रह गई है। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि तत्काल कार्रवाई की मांग करती है। जल संकट अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। इस संपादकीय में, हम जल संकट के कारणों, प्रभावों और टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता पर चर्चा करेंगे, साथ ही भारत के संदर्भ में व्यावहारिक समाधानों का प्रस्ताव देंगे। जल संकट के पीछे कई परस्पर जुड़े कारक हैं। सबसे पहले, जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण ने जल की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया है। भारत की जनसंख्या 1.4 अरब को पार कर चुकी है और 2030 तक 50% से अधिक लोग शहरों में रहने लगेंगे। शहरी क्षेत्रों में पानी की खपत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं अधिक है, क्योंकि औद्योगीकरण, घरेलू उपयोग और जीवनशैली में बदलाव ने जल की मांग को बढ़ाया है। दूसरा, जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को बाधित किया है। अनियमित मानसून, सूखा और बाढ़ की बढ़ती घटनाएं जल संसाधनों की उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं। उदाहरण के लिए, 2023 में भारत के कई हिस्सों में मानसून की बारिश औसत से 10-15% कम रही, जिसने जलाशयों और भूजल स्तर को और कम कर दिया। तीसरा, जल संसाधनों का अति-दोहन एक प्रमुख समस्या है। भारत में 80% से अधिक पेयजल और सिंचाई भूजल पर निर्भर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, देश के 17 राज्यों में भूजल स्तर अति-दोहन की श्रेणी में है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्य, जो भारत के खाद्यान्न उत्पादन का केंद्र हैं, सबसे अधिक प्रभावित हैं। चौथा, जल प्रदूषण ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गंगा, यमुना और अन्य प्रमुख नदियां औद्योगिक कचरे, सीवेज और कृषि रसायनों से प्रदूषित हो चुकी हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 70% सतही जल प्रदूषित है, जिससे पेयजल की कमी और बढ़ रही है। अंत में, नीतिगत और प्रशासनिक कमियां भी जिम्मेदार हैं। जल प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण का अभाव, विभिन्न विभागों में समन्वय की कमी और अवैध जल उपयोग को रोकने में नाकामी ने संकट को गहरा किया है।

जल संकट के प्रभाव : जल संकट के प्रभाव बहुआयामी हैं। सबसे पहले, यह स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालता है। दूषित पानी के सेवन से डायरिया, हैजा और टाइफाइड जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष 4 लाख से अधिक लोग जलजनित बीमारियों के कारण मरते हैं। दूसरा, जल संकट कृषि और खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत में 60% से अधिक कृषि सिंचाई पर निर्भर है और भूजल की कमी ने फसल उत्पादन को कम किया है। 2019 में, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में सूखे के कारण लाखों किसान प्रभावित हुए, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाई। तीसरा, जल संकट सामाजिक असमानता को बढ़ाता है। गरीब और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को स्वच्छ पानी की सबसे अधिक कमी झेलनी पड़ती है। महिलाएं और बच्चियां, जो अक्सर पानी लाने की जिम्मेदारी संभालती हैं, को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनकी शिक्षा और आजीविका पर असर पड़ता है। चौथा, जल की कमी औद्योगिक उत्पादन और आर्थिक विकास को प्रभावित करती है। जल-गहन उद्योग जैसे कपड़ा, चमड़ा और बिजली उत्पादन पानी की कमी के कारण उत्पादन में कटौती कर रहे हैं। यह रोजगार और जीडीपी पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

टिकाऊ जल प्रबंधन की आवश्यकता : जल संकट से निपटने के लिए टिकाऊ जल प्रबंधन अपरिहार्य है। टिकाऊ जल प्रबंधन का अर्थ है जल संसाधनों का ऐसा उपयोग जो वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे, साथ ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करे।

इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं : -

1. जल संरक्षण और पुनर्जनन : जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना आवश्यक है। भारत में, जहां औसतन 1,170 मिमी वार्षिक वर्षा होती है, वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर को पुनर्जनन किया जा सकता है। तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में वर्षा जल संचयन की सफल कहानियां प्रेरणादायक हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के अलवर जिले में तारुण भारत संगठन ने पारंपरिक जोहड़ों के पुनरुद्धार से भूजल स्तर को 6-8 मीटर तक बढ़ाया है।

2. भूजल प्रबंधन : भूजल के अति-दोहन को रोकने के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे। भूजल पुनर्भरण के लिए कृत्रिम रिचार्ज संरचनाएं, जैसे चेक डैम और तालाब, बनाए जाने चाहिए। साथ ही, किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

3. नदियों और जलाशयों का संरक्षण : नदियों के प्रदूषण को कम करने के लिए औद्योगिक कचरे और सीवेज के उपचार को अनिवार्य करना होगा। नमामि गंगे जैसे कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। साथ ही, जलाशयों के अवसादन को रोकने के लिए वनीकरण और मृदा संरक्षण पर ध्यान देना होगा।

4. जल उपयोग में दक्षता : शहरी क्षेत्रों में जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटरिंग और लीकेज नियंत्रण आवश्यक है। बेंगलुरु जैसे शहरों में 40% से अधिक पानी पाइपलाइन लीकेज के कारण बर्बाद हो जाता है। इसके अलावा, घरेलू स्तर पर जल-बचत उपकरणों, जैसे कम-प्रवाह वाले शावर और शौचालय, को बढ़ावा देना होगा।

5. नीतिगत सुधार : जल प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय जल नीति की आवश्यकता है, जो केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करे। जल को एक सामुदायिक संसाधन के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए, न कि निजी संपत्ति के रूप में। साथ ही, जल उपयोग के लिए मूल्य निर्धारण नीति लागू की जानी चाहिए, जो अति-उपयोग को हतोत्साहित करे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा यूथ टेस्ट मैच ड्रॉ, आयुष म्हात्रे ने खेली धमाकेदार शतकीय पारी

चेल्म्सफोर्ड। बेन डॉकिन्स के शानदार शतक और राल्फी अल्बर्ट की कुल 10 विकेटों की चमक के बावजूद इंग्लैंड अंडर-19 और भारत अंडर-19 के बीच खेला गया दूसरा यूथ टेस्ट मुकाबला बुधवार को ड्रॉ पर समाप्त हो गया। इस नतीजे के साथ दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई। इंग्लैंड के लिए केंट के ओपनर बेन डॉकिन्स ने 136 रन बनाए और एडम थॉमस (91 रन) के साथ 188 रनों की साझेदारी की। इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी 324/5 पर घोषित की और भारत को 355 रनों का लक्ष्य दिया। लेकिन भारत की ओर से आयुष म्हात्रे की धमाकेदार बल्लेबाज़ी ने इंग्लैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने 64 गेंदों में 126 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं अभिज्ञान कुंडू (65 रन) ने भी आक्रामक अंदाज़ में बल्लेबाज़ी कर टीम को संभाला।

मैच का पूरा हालः-

पहली पारीः इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 309 रन बनाए, जिसमें एकांश सिंह ने 117 रन और थॉमस रिउ ने 59 रन जोड़े। भारत के पुष्पक ने 4 विकेट लिए। जवाब में भारत ने 279 रन बनाए, जहां विहान मल्होत्रा ने 120 और म्हात्रे ने 80 रन बनाए। इंग्लैंड के राल्फी अल्बर्ट ने 6 विकेट झटके।

दूसरी पारीः इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाज़ी करते हुए 324/5 पर पारी घोषित की, जिसमें डॉकिन्स ने 136 रन और थॉमस ने 91 रन बनाए। भारत की ओर से आदित्य रावत ने 4 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की टीम को पहले ही ओवर में झटका लगा जब 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी क्लीन बोल्ड हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा ने डटे रहकर पारी को संभाला जबकि म्हात्रे ने ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करते हुए महज़ 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और बाद में 64 गेंदों में शतक जड़ दिया। अभिज्ञान कुंडू ने भी ताबड़तोड़ दो छक्के जड़ते हुए रन रेट को बनाए रखा और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि, म्हात्रे 126 रन बनाकर आउट हो गए और इसके बाद कुछ समय में कुंडू और राहुल कुमार भी पवेलियन लौट गए, जिससे इंग्लैंड को वापसी की उम्मीदें मिलीं। लेकिन भारतीय निचले क्रम ने मोर्चा संभाला और जब बारिश के चलते खेल रोका गया, अंपायरों ने मैच को ड्रॉ घोषित कर दिया।

स्कोरकार्ड संक्षेप में:

इंग्लैंड पहली पारीः 309
(एकांश सिंह 117, रिउ 59, पुष्पक 4/76)

भारत पहली पारीः 279
(मल्होत्रा 120, म्हात्रे 80, अल्बर्ट 6/53)

इंग्लैंड दूसरी पारीः 324/5 घोषित
(डॉकिन्स 136, थॉमस 91, रावत 4/80)

भारत दूसरी पारीः 290/6
(म्हात्रे 126, कुंडू 65, अल्बर्ट 4/76)

मैनचेस्टर टेस्ट में भारत की सधी शुरुआत, पहले दिन का स्कोर 264/4, ऋषभ पंत रिटायर्ड हर्ट

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल भारत के नाम रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 264 रन बना लिए हैं। दिन का खेल खत्म होने तक रवींद्र जडेजा (19) और शार्दुल ठाकुर (19) क्रीज पर टिके हुए हैं और दोनों के बीच 29 रनों की साझेदारी हो चुकी है।

जायसवाल-राहुल की शानदार ओपनिंग साझेदारी- इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया, और भारत के ओपनरों यशस्वी जायसवाल (58) और केएल राहुल (46) ने इस फैसले को चुनौती देते हुए 94 रनों की ठोस साझेदारी की। हालांकि राहुल सेट होने के बाद स्लिप में कैच थमा बैठे, और जायसवाल भी अर्धशतक के बाद आउट हो गए। इस मैच में करुण नायर की जगह नंबर-3 पर मौका पाने वाले साई सुदर्शन ने 151 गेंदों में 61 रन की संयमित पारी खेली और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनके आउट होने के वक्त भारत का स्कोर 235/4 था। कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर फेल साबित हुए और सिर्फ 12 रन बनाकर पगबाधा हो गए। इंग्लैंड की ओर से सबसे सफल गेंदबाज कप्तान बेन स्टोक्स रहे, जिन्होंने दो विकेट चटकाए। जबकि क्रिस वोक्स और लियाम डावसन को एक-एक सफलता मिली दिन का सबसे अहम पल तब आया जब विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत, जो अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे थे, रिवर्स स्वीप खेलते समय गेंद दायें पैर पर लगने से चोटिल हो गए। पंत 37 रन पर खेल रहे थे और दर्द के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। जानकारी के अनुसार, पंत का पैर सूज गया है और थोड़ा खून बहने की भी जानकारी है। अगर फिटनेस साथ देती है तो वे दूसरे दिन बैटिंग के लिए लौट सकते हैं।

विश्वकप के लिए नये सिरे से तैयारी करनी होगी : हरमनप्रीत

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा है कि अब उनकी टीम स्वदेश लौटने के बाद एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियां करेगी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में जीत से उत्साहित हरमनप्रीत ने कहा कि इससे टीम का मनोबल बढ़ा है पर हमें यहीं नहीं रुकना है क्योंकि हर बार के हालात अलग होते हैं। इसलिए विश्वकप की शुरुआत नये सिरे से करनी होगी। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप भी जीता है। वहीं अब भारतीय टीम 14 सितंबर से घरेलू मैदान पर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला करेगी। इसके बाद 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में महिला एकदिवसीय विश्व कप खेला जाएगा। जिसमें उसका लक्ष्य जीत हासिल करना रहेगा। हरमनप्रीत ने कहा, ''हर मैच और हर परिस्थिति अलग होती है। यहां परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं, पिच भी अलग थी, माहौल भी अलग था। वहीं विश्वकप के दौरान घरेलू मैदान पर हालात अलग होंगे।'' उन्होंने कहा, ''जब भी आपको जीत मिलती है तो आपकी मानसिकता सकारात्मक हो जाती है। इस तरह की चीज आपको अच्छी स्थिति में रखती हैं।''

महिला यूरो 2025: स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर फाइनल में बनाई जगह

ज्युरिख। एइताना बॉनमती के शानदार अतिरिक्त समय के गोल की बदौलत स्पेन ने बुधवार को जर्मनी को 1-0 से हराकर पहली बार महिला यूरोपीय चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अब स्पेन का मुकाबला रविवार को मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से फाइनल में होगा, जहां स्पेन ने पहली बार विश्व खिताब जीता था। मैच का इकलौता गोल बॉनमती ने 113वें मिनट में किया। उन्होंने बाएं फ्लैंक से गेंद पाते हुए जर्मन गोलकीपर एन-कैट्रिन बर्गर की नजदीकी पोस्ट पर छोड़े गए गैप को भांपते हुए टाइट एंगल से जोरदार शॉट मारकर गेंद को जाल में पहुंचा दिया। पहले हाफ में स्पेन की कप्तान आइरीन परेडेस ने भी हेडर से गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से टकराकर बाहर चला गया। पूरे मैच में स्पेन ने कब्जे में बढ़त बनाए रखी, जबकि जर्मन टीम ने डिफेंस में मजबूत दीवार खड़ी कर काउंटर अटैक की रणनीति अपनाई। जर्मनी की विंगर क्लारा बुएल मैच भर में प्रभावशाली रहीं। 63वें मिनट में वह स्पेनिश डिफेंस को चकमा देकर गोल के करीब पहुंचीं, लेकिन उनका शॉट सीधे गोलकीपर काटा कॉल के हाथों में चला गया। स्टॉपेज टाइम में भी बुएल का एक डिफ्लेक्टेड शॉट कॉल ने बड़ी मुश्किल से बचाया, और मैच 0-0 से अतिरिक्त समय में चला गया। जर्मनी ने अब तक यूरो सेमीफाइनल में 10 में से 9 बार जीत दर्ज की थी। जर्मनी पेनल्टी शूटआउट की ओर बढ़ता दिख रहा था, लेकिन बॉनमती ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया। बॉनमती के लिए यह गोल और भी खास था, क्योंकि टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले वह मेनिन्जाइटिस से जुड़ी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही थीं। यह जीत स्पेन के लिए ऐतिहासिक रही, क्योंकि पहली बार उन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में जर्मनी को हराया। मैच के बाद बॉनमती ने कहा, "मैं गर्व महसूस कर रही हूं। हमने एक जबरदस्त चैम्पियनशिप खेली है। आज हम जर्मनी के खिलाफ जरूर थोड़ा संघर्ष में रहे, लेकिन अंत में जीत हमारे हिस्से आई। ये पहली बार है जब हमने किसी बड़े टूर्नामेंट में जर्मनी को हराया है, इससे बड़ी उपलब्धि और क्या हो सकती है।"

बेहद गरीबी से निकलकर क्रिकेट स्टार बने रसेल

जमैका। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर आंद्रे रसेल आंद्रे ने अपने क्रिकेट करियर में जहां कई शानदार पारियां खेली हैं और प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं रसेल के क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रहा है। रसेल आज जहां आलिशान जिंदगी जीते हैं। वहीं उनका बचपन गरीबी में बीत है। खेल में अपनी मेहनत के बल पर ही वह यहां तक पहुंचे हैं। रसेल के परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी। ऐसे में उनकी मां चाहती थी कि वह पढ़ लिखकर कोई काम तलाश लें पर रसेल जानते थे कि अगर उन्हें अपने परिवार की हालत सुधारनी है तो कुछ बड़ा करना होगा। ऐसे में वह क्रिकेट से जुड़ गये। इसके लिए उन्होंने परिवार से दो साल का समय लिया था। रसेल के पिता एक फैक्ट्री में मजदूरी करते थे और उनकी मां नहीं चाहती थी कि उनका बेटा क्रिकेटर बने पर रसेल ने अपनी मां से दो साल का समय मांगा और कहा कि अगर वह सफल नहीं हुए तो जो वह कहेंगी वहीं करेंगे। रसेल तय समय तक सफल तो नहीं हो पाए पर परिवार को लगा कि वह मेहनत कर रहा है और एक दिन जरूर सफल होगा। इसलिए परिवार ने उनका साथ दिया।

व्यापार

वैश्विक दबाव में लुढ़का घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कुछ कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में कमजोरी आ गई। दिन में ज्यादातर समय बाजार पर बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत और निफ्टी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, हेल्थ केयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.26 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,221 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,646 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,408 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 167 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 921 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,721 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 53.31 अंक की तेजी के साथ 82,779.95 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 बजे के करीब सेंसेक्स 679.42 अंक टूट कर 82,047.22 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 542.47 अंक की गिरावट के साथ 82,184.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 23.40 अंक उछल कर 25,243.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दिन के पहले सत्र के अंत तक ये सूचकांक 201.20 अंक की कमजोरी के साथ 25,018.70 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद हुई मामूली खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से 40 अंक से अधिक की रिकवरी करके 157.80 अंक की गिरावट के साथ 25,062.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल 3.67 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.51 प्रतिशत, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.45 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 0.99 प्रतिशत और सिप्ला 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, नेस्ले 5.32 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 3.83 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 3.13 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 3.10 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

होंडा और निसान मिलकर कर रही नया डिजिटल ब्रेन विकसित

नई दिल्ली। होंडा और निसान कंपनियां अब मिलकर एक नया डिजिटल ब्रेन सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म विकसित कर रही हैं। इसका उद्देश्य भविष्य की स्मार्ट कारों को ज्यादा इंटेलिजेंट, कनेक्टेड और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन बनाना है। यह साझेदारी न केवल पारंपरिक इंजन-आधारित प्रतिस्पर्धा से परे जाती है, बल्कि चीन की उभरती कंपनियों जैसे बीवायडी, नीयो और एक्सपेंग को टक्कर देने की रणनीतिक कोशिश भी है। इस प्रोजेक्ट में 10 अरब डॉलर से अधिक का संयुक्त निवेश किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि अब वाहन निर्माण में हार्डवेयर नहीं, बल्कि डेटा और डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इस गठबंधन की सबसे बड़ी ताकत इसका साझा सॉफ्टवेयर कोर होगा, जो होंडा और निसान की कारों को एक जैसी डिजिटल रीढ़ पर आधारित बनाएगा। इससे न केवल विकास की लागत में कमी आएगी, बल्कि नए फीचर्स और अपग्रेड्स को तेजी से कारों में लागू करना भी संभव हो पाएगा। यह सॉफ्टवेयर सिस्टम महज म्यूजिक या नेविगेशन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी कार के संचालन में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। ड्राइविंग कंट्रोल, रियल टाइम अपडेट, डेटा एनालिटिक्स और सुरक्षा से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं अब इसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित होंगी। दोनों कंपनियां डेटा पर पूर्ण नियंत्रण रखने की भी तैयारी कर रही हैं। वे अपने निजी डेटा प्लेटफॉर्म विकसित करेंगी, जिससे न केवल डेटा की सुरक्षा बेहतर होगी बल्कि ग्राहकों की प्राइवेसी भी सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा, होंडा और निसान अब महंगे तकनीकी संसाधन जैसे इलेक्ट्रिक मोटर्स और सेमीकंडक्टर्स को साझा भी करेंगी, जिससे उत्पादन लागत घटेगी और टेक्नोलॉजी में नवाचार की गति बढ़ेगी। चीन की कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को तकनीकी रूप से उन्नत और किफायती बनाकर वैश्विक बाजार में अपनी जगह मजबूत कर ली है।

डिजिटल आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या बढ़कर 9.19 करोड़ हुई

नई दिल्ली। आयकर दाखिल करने के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल शुरु होने के बाद चार साल के भीतर आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या में 36 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह संख्या वित्त वर्ष 2020-21 में 6.72 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 9.19 करोड़ पर पहुंच गई है। आयकर विभाग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में कर बोझ कम करने के लिए कई राहत उपायों की शुरुआत की गई। नए कर शासनादेश के तहत 12 लाख रुपये तक की आय अब कर-मुक्त है। इसके साथ ही 75 हजार रुपये की मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये तक की आय वाले वेतनभोगियों की कर देयता शून्य है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय आयकर दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयकर देश के आर्थिक ताने-बाने की रीढ़ है, जो विकास परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण को शक्ति प्रदान करता है। इस दिन हम सभी करदाताओं के योगदान को नमन करते हैं, जिनके सहयोग से देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भारत के वित्तीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए 24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया जाता है। इस दिन 1860 में भारत में सर जेम्स विल्सन ने आयकर पेश किया था। इसने 1922 के आयकर अधिनियम के लिए आधार तैयार किया, जिसने विभिन्न आयकर को औपचारिक रूप दिया और एक व्यवस्थित प्रशासन ढांचे के लिए नींव भी रखी।

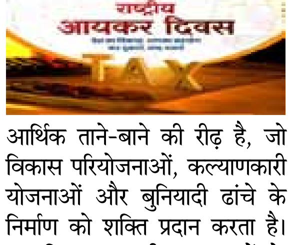

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख, सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंचे

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 950 रुपये से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 900 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये से लेकर 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 93,810 रुपये से लेकर 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,19,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रुपया 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 डॉलर पर खुला

मुंबई। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 17 पैसे की बढ़त के साथ 86.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार पर भारी पड़ रही है, जिससे रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी निकासी ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और स्थानीय मुद्रा की तेजी को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.33 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.24 तक पहुच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 86.41 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 97.15 पर आ गया।

▪ रुपया बुधवार को डॉलर के मुकाबले 86.41 पर बंद हुआ था

विद्या बालन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया मजेदार वीडियो

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन के लिए कल की सुबह कुछ खास रही, जब उनके ससुर कुमुद रॉय कपूर ने उन्हें एक पहेली हल करने के लिए दी। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस विद्या बालन ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह तैयार होती नजर आ रही थीं, उनके बाल और मेकअप सेट हो रहे थे। इसी दौरान वह अचानक कहती हैं, "ओके, आपके लिए एक पहेली... एपकैडेवी जैकलमन ऑप्सक्वेर टू विक्स का क्या मतलब है?" इस अजीबोगरीब वाक्य को सुनकर वीडियो देखने वाले भी हैरान रह गए। खुद विद्या भी इस पहेली को सुलझा नहीं पाईं और उन्होंने अपने हेयर स्टाइलिस्ट से इसे दोहराने को कहा, ताकि शायद कोई सुराग मिल सके। वीडियो के अंत में उन्होंने सभी से कहा, अब सोचो, इसका क्या मतलब हो सकता है? देखते हैं कौन समझ पाता है इस पहेली को। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "सोमवार की सुबह में दिमाग घुमा देने वाला सवाल, मेरे ससुर जी (पापा रॉय कपूर) की तरफ से।" विद्या बालन का करियर भी कुछ कम दिलचस्प नहीं रहा है। उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत मलयालम फिल्म चक्रम से की थी, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल थे, लेकिन यह फिल्म अधूरी रह गई। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म 'रन' साइन की, लेकिन पहले शेड्यूल के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। फिर उन्होंने मनासेल्लम नाम की एक और तमिल फिल्म में काम किया, पर वहां भी स्क्रीन पर उनका चेहरा नहीं दिखा। विद्या को पहली बार सराहना बंगाली फिल्म भालो थेको (2003) से मिली, जिसमें उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। हिंदी सिनेमा में उन्होंने परिणीता से डेब्यू किया, जिसने उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट न्यूकमर अवॉर्ड दिलाया। इसके बाद लगे रहो मुन्नाभाई, गुरु, हे बेबी, सलाम-ए-इश्क, भूल भुलैया और भूल भुलैया 2 जैसी हिट फिल्मों में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। अब वह जल्द ही फिल्म कहानी 3 में नजर आने वाली हैं, हालांकि इसकी रिलीज डेट का अभी इंतजार है। बता दें कि अपने कॅरियर में शुरुआती झटकों के बावजूद विद्या ने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों, म्यूजिक वीडियो और टीवी सीरियलों में काम करना शुरू किया। हम पांच शो में उनकी छोटी भूमिका भी दर्शकों को पसंद आई।

बॉक्स ऑफिस पर 'सैयारा' का धमाका, 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

मोहित सूरी के निर्देशन में बनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' को रिलीज हुए अब लगभग एक हफ्ता होने वाला है। खास बात यह है कि यह फिल्म अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे की डेब्यू फिल्म है। उनके साथ स्क्रीन पर नजर आ रही हैं अनीत पड्डा, और दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 18 जुलाई को सिनेमाघरों में आई यह फिल्म शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अब छठे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार 'सैयारा' ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को शानदार 21 करोड़ रुपये की कमाई की। इस आंकड़े के साथ फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 153.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म ने पहले दिन 21.5 करोड़ रुपये की दमदार शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे दिन 26 करोड़, तीसरे दिन 35.75 करोड़, चौथे दिन 24 करोड़ और पांचवें दिन 25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। अहान पांडे और अनीत पड्डा की ये डेब्यू फिल्म लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। सिनेमाघरों में 18 जुलाई को रिलीज हुई 'सैयारा' एक म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा है, जिसने दर्शकों को अपनी भावनात्मक कहानी और संगीत से पूरी तरह बांध लिया है। इस फिल्म से अहान पांडे ने अभिनय जगत में कदम रखा है, जबकि अनीत पड्डा ने इसमें बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया है। फिल्म में अहान ने कृष और अनीत ने वाणी का किरदार निभाया है। करीब 45 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को अक्षय विधानी ने प्रोड्यूस किया है। दर्शकों की मजबूत प्रतिक्रिया और बेहतरीन बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के चलते यह फिल्म एक बड़ी हिट बनती नजर आ रही है।

वीर पहाड़िया के साथ जोडा जा रहा है तारा सुतारिया का नाम

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया मशहूर पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के साथ अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा में थीं, लेकिन अब तारा की नजदीकियां एक और शख्स के साथ देखी जा रही हैं और वो हैं एक्टर वीर पहाड़िया। सोशल मीडिया पर दोनों की बातचीत और इमोजी एक्सचेंज ने सबका ध्यान खींचा है और अब ऐसा लग रहा है कि दोनों ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने स्वीकार कर लिया है। दरअसल, तारा सुतारिया ने हाल ही में एपी ढिल्लों के साथ एक ग्लैमरस फोटोशूट कराया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन फोटोज़ में तारा और एपी एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आ रहे हैं। तारा का लुक बेहद बोल्ड और सिजलिंग है। उन्होंने शॉर्ट शिमरी बैकलेस वनपीस ड्रेस पहन रखी है, जिसमें उनका ग्लैम अवतार खूब वायरल हो रहा है। वहीं एपी ढिल्लों क्लासिक व्हाइट शर्ट और ब्लैक पैंट में नजर आए। लेकिन असली सुर्खियां तब बनीं जब तारा की पोस्ट पर वीर पहाड़िया ने कमेंट किया माई और इसके साथ एक स्टार और लाल दिल वाला इमोजी लगाया। इस पर तारा ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा माइन और साथ में हार्ट और ईविल आई इमोजी भी जोड़े। इन इंटरेक्शंस को देखकर फैंस को लग रहा है कि दोनों ने अब अपने रिश्ते को इंस्टाग्राम पर सार्वजनिक कर दिया है। यह पहली बार है जब तारा ने इतनी खुलकर किसी अफवाहों वाले रिश्ते पर प्रतिक्रिया दी है। तारा सुतारिया की यह इंस्टा चैट अब इंटरनेट पर वायरल हो चुकी है और सोशल मीडिया पर उनके और वीर के रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। फैंस दोनों को साथ देखकर एक्साइटेड हैं, वहीं कई लोग इसे तारा की पर्सनल लाइफ में एक नए चैप्टर की शुरुआत मान रहे हैं। बता दें कि तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। कभी आदर जैन के साथ रिश्ते को लेकर सुर्खियों में रहने वाली तारा का नाम अब नए चेहरों के साथ जोड़ा जा रहा है।

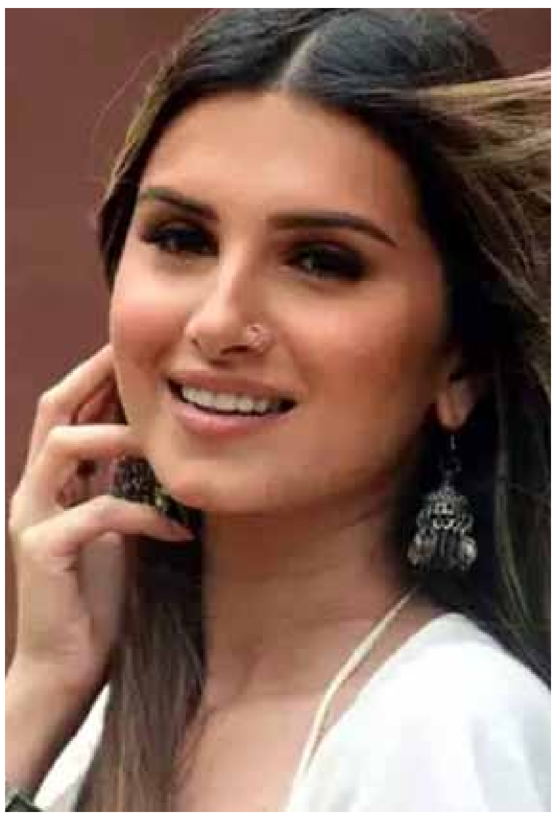

अब सिर्फ स्पष्टता और पैशन के साथ काम करूंगी : तनीषा मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने अपने करियर को लेकर एक स्पष्ट और परिपक्व नजरिया पेश किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि अपने अभिनय जीवन में उन्होंने कई गलतियां की हैं, लेकिन अब वह पहले से कहीं ज्यादा सतर्क हो चुकी हैं और सोच-समझकर ही प्रोजेक्ट्स का चुनाव करती हैं। तनीषा का कहना है कि अब वह सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स से जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट दृष्टिकोण और सच्चा जुनून हो। तनीषा के अनुसार, पहले वह दूसरों के विजन पर भरोसा करके काम कर लिया करती थीं, लेकिन कई बार यह भरोसा नुकसानदायक साबित हुआ और उन्हें निराशा का सामना करना पड़ा। अनुभव से उन्होंने सीखा है कि अब बिना स्पष्टता और ठोस योजना के किसी भी काम का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। तनीषा का मानना है कि किसी निर्देशक के अनुभव से ज्यादा जरूरी उसका दृष्टिकोण और तैयारी होती है। चाहे निर्देशक नया हो या अनुभवी, यदि उसमें अपनी कहानी को लेकर स्पष्टता है और वह पूरी तैयारी के साथ आया है, तभी वह अच्छे सिनेमा का निर्माण कर सकता है। तनीषा अब उन्हीं निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हैं जो केवल फिल्म बनाने के लिए फिल्म नहीं बनाते, बल्कि उसमें अपना नजरिया, सोच और पैशन लेकर आते हैं। वह कहती हैं कि आजकल फिल्म इंडस्ट्री में बहुत से लोग दूसरों की नकल करते नजर आते हैं, लेकिन अब वह ऐसे 'कॉपीकैट्स' के साथ काम नहीं करेंगी। तनीषा के मुताबिक, अब उनके लिए दो ही बातें सबसे महत्वपूर्ण हैं स्पष्टता और विजन। अब वह ऐसे निर्देशकों या प्रोडक्शन हाउस से दूर रहना चाहती हैं जो खुद भी अपनी दिशा को लेकर असमंजस में हों। उन्होंने यह भी कहा कि एक कलाकार के तौर पर वह हमेशा नई संभावनाओं और चुनौतीपूर्ण किरदारों की तलाश में रहेंगी, लेकिन अब वह समझौता नहीं करेंगी। तनीषा का यह नया दृष्टिकोण उनके करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देता है, जिसमें वह खुद के अनुभवों से सीखकर अधिक सजग, चयनशील और आत्मविश्वासी हो चुकी हैं।

'सारे जहां से अच्छा' का प्रीमियर 13 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर, फर्स्ट लुक ने बढ़ाई उत्सुकता

अभिनेता प्रतीक गांधी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन गौरव शुक्ला कर रहे हैं। इस सीरीज में प्रतीक के साथ-साथ सनी हिंदुजा, सुहैल नैय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनूप सोनी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने 'सारे जहां से अच्छा' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें प्रतीक गांधी और सनी हिंदुजा समेत पूरी स्टारकास्ट की दमदार झलक देखने को मिल रही है। पोस्टर ने दर्शकों के बीच सीरीज को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। 'सारे जहां से अच्छा' का प्रीमियर 13 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। हाल ही में निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "प्रतीक गांधी और सनी हिंदुजा एक गुप्त जंग में जासूस बने हैं। ओवर एंड आउट।" यह वेब सीरीज 1970 के दशक की राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल के दौर को पृष्ठभूमि बनाकर तैयार की गई है। इसकी कहानी में जासूसी, देशभक्ति, बलिदान और कर्तव्य की भावना को गहराई से उकेरा गया है। सीरीज में प्रतीक गांधी एक खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर की भूमिका में नजर आएंगे, जो देश के लिए हर खतरे से लड़ने को तैयार है। यह सीरीज थ्रिल और इमोशन का बेहतरीन मिश्रण साबित होने वाली है।

शहनाज गिल एक बार फिर चर्चा में

पंजाब की कैटरीना कैफ के नाम से मशहूर शहनाज गिल एक बार फिर चर्चा में हैं। शहनाज ने कई म्यूजिक वीडियोज और फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया है। हाल ही में शहनाज का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया है, जिसमें उनका एक ऊप्स मोमेंट कैमरे में कैद हो गया। दरअसल, शहनाज गिल बीती रात सिंगर और रैपर हनी सिंह के साथ एक लग्जरी घड़ी ब्रांड के लॉन्च इवेंट में शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने एक मिरर वर्क वाली शॉर्ट ड्रेस पहनी थी, जो उनके लिए थोड़ी असहज साबित हुई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शहनाज बार-बार अपनी ड्रेस को एडजस्ट करती नजर आईं और काफी असहज महसूस कर रही थीं। वह पैपराजी से बार-बार कहती हैं, अरे भाई रुक जाओ, साइड हो जाओ, लेकिन उनकी बात का कोई असर नहीं हुआ और कैमरे लगातार उनका वीडियो रिकॉर्ड करते रहे। यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, फैंस का गुस्सा फूट पड़ा। कई यूजर्स ने पैपराजी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें किसी की प्राइवेसी का सम्मान करना चाहिए। वहीं कुछ लोग शहनाज की इस स्थिति में भी संयम बनाए रखने और खुद को अच्छे से संभालने के लिए तारीफ कर रहे हैं। हालांकि कुछ ट्रोलर्स ने ड्रेस की लंबाई को लेकर शहनाज को भी निशाने पर लिया है, लेकिन बड़ी संख्या में लोग उनके समर्थन में खड़े नजर आए। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही पंजाबी फिल्म सिंह वर्सेज कौर 2 में नजर आएंगी, जिसमें वह गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल के साथ रोमांस करती दिखाई देंगी। बता दें कि सोशल मीडिया पर भी वह काफी एक्टिव रहती हैं और उनकी फैन फॉलोइंग तेजी से बढ़ रही है।

Muzaffarpur: Junk dealer murdered, shot outside shop

Muzaffarpur, A junk dealer was shot dead in Majhauliya of Muzaffarpur Sadar police station area of Bihar. After this, tension prevails in the area. The deceased has been identified as businessman Mohammad Gulab (45). The criminals committed the crime at around 8 pm on Wednesday night. The criminals shot three bullets in his head, neck and chest. It is being told that this incident happened when the businessman was sitting on his scooter after closing his shop.After this incident in the area, a large number of local people reached the spot. Gulab was immediately admitted to the hospital, where doctors declared him dead. After the incident, the angry mob blocked the road and attacked the house of the accused Panchayat Samiti member Tufail Ahmed and set two cars and a bike on fire. The mob also tried to set Tufail's house on fire. Meanwhile, the police reached the spot and seeing the situation going out of control, used mild force to disperse the protesters. The blockade was ended on the assurance of action against the criminals by senior police officials. The reasons behind the murder are said to be land dispute and a fight between children in the mosque two days ago, in which Gulab was threatened. According to the police, the entire matter is being investigated thoroughly. CCTV footage is being scanned and raids are being conducted to arrest the accused and the accused will be caught soon. In view of the tense atmosphere, the police appealed to the people to maintain peace. According to the police, the body has been sent for post-mortem. However, the family of the deceased accused Tufail Ahmed, Mohammad Badal, Mohammad Aqeel, and Mohammad Chhotu of murder. The family also alleges that the police did not take action on the earlier complaint.

Opposition leaders are not allowed to speak in the House, alleges Priyanka Gandhi Vadra

New Delhi, Politics over the issue of Special Intensive Revision (SIR) of voter list in Bihar is not stopping. Congress MP and General Secretary Priyanka Gandhi Vadra has given a statement on this issue. She alleged that whenever opposition leaders want to speak in the House, they are not allowed to speak. Congress MP Priyanka Gandhi Vadra on Thursday spoke to the media in the Parliament premises and made serious allegations against the government. Priyanka Gandhi said, whenever opposition leaders want to speak, they are not allowed to speak. We have been demanding a discussion and they should agree to it. In the last session, I was surprised to see that the disruption starts from the ruling party. They used to choose a topic so that we react to it. Then there is an uproar and the House is adjourned. This is perfect for them. This is not the first time that an opposition leader has accused the government of not allowing him to speak in the House. Earlier, Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi had alleged that I am the leader of the opposition, but I am not being allowed to speak. While talking to the media, Congress MP Rahul Gandhi had said, the question is that those who allow the Defense Minister to speak in the House, they allow their (government) people to speak, but if any opposition leader wants to say something, then they do not allow me to speak. I am the leader of the opposition, it is my right, but they never let me speak. This is a new approach. However, the BJP had retaliated to the allegations of the opposition leaders. BJP MP Jagdambika Pal had said that the opposition has no issue. It just wants to disrupt the proceedings of the House. It has become a habit of the Congress to spread chaos during the session.

Conspiracy of big attack in Delhi, UP and Gujarat failed, big disclosure about the captured Al-Qaeda terrorists

Ahmedabad /New Delhi, Gujarat ATS has arrested four suspected terrorists while busting an Al-Qaeda terror module in a major inter-state operation. These arrests have been made from Gujarat, Delhi and Noida. Investigation has revealed a shocking fact that this module was preparing to spoil the atmosphere in India against 'Operation Sindoor' and carry out major terror attacks in Delhi, UP and Gujarat at the behest of Pakistani Army and ISI. According to Gujarat ATS, the arrested terrorists are associated with 'Al-Qaeda in Indian Subcontinent (QAEDI).' Their main job was to incite and radicalize the youth of a particular community through social media in favor of Pakistan against India's 'Operation Sindoor'. Investigation has revealed that this module was working in support of the Pakistani Army's 'Operation Bunyan ul Marsoos'. These terrorists had contacted the officials of Pakistani Army and ISIS several times during 'Operation Sindoor'. The terrorists were constantly sending confidential information across border through two social media accounts of Pakistan and were getting instructions for attacks through chatting on these accounts. These terrorists used to brainwash the youth by showing jihadi videos of terrorists like Osama bin Laden and Maulana Asim Umar. The mastermind of this entire module was Mohammad Faiz, who has been arrested from Delhi. Faiz, who was highly educated, was working as a manager in a fast food chain in Delhi. He had joined the other three terrorists with him. Terrorist Zeeshan Ali, arrested from Noida, works at a mobile shop, while the two terrorists arrested from Gujarat used to work as tailors. After this major action, Gujarat ATS is now in touch with Delhi Police's Special Cell and UP ATS to reach the depth of this network. Agencies believe that after 'Operation Sindoor', these terrorists were planning to carry out a series of terrorist attacks in many places including Delhi, UP and Gujarat.

Flood threat in Delhi, Yamuna in spate, landslides in mountains cause devastation; Heavy rain alert across the country

New Delhi, Monsoon has taken a fierce form across the country, due to which life has been disrupted from North to South India. Yamuna river is flowing at the danger mark in the national capital Delhi, while torrential rains and landslides have caused havoc in the hilly states of Himachal and Uttarakhand. Flood-like conditions have arisen due to heavy rains in many states including Mumbai. The capital Delhi is facing the threat of flood. The water level of Yamuna has reached the danger mark due to continuous rise, due to which water has started entering many low lying areas. After the information of more water being released from Hathinikund Barrage in Haryana, there is a possibility of the water level rising further. In view of this, the administration has issued orange and red alert in the affected areas and has advised people to move to safer places. The situation has gone out of control due to the continuous torrential rains in Himachal Pradesh and Uttarakhand. Tragic reports of landslides and cloudbursts are coming from various places. A total of 385 roads including two national highways (NHs) in Himachal have been closed due to debris. NH-70 (Mandi-Kotli road) in Mandi and NH-707 (Hatkoti to Paonta Sahib) in Sirmaur are blocked due to landslides at many places. Schools have been closed in both the states and the administration is engaged in relief and rescue work. Heavy rains have also created problems for people in Maharashtra's financial capital Mumbai. Traffic has been badly affected due to waterlogging on the roads. The Meteorological Department has issued a forecast of rain in many parts of the country for the next 24 hours. Coastal Karnataka, South Konkan, Goa, South Chhattisgarh, Telangana and Vidarbha may receive moderate to heavy rains. At the same time, Haryana, East Rajasthan, and Kerala are also expected to receive light to moderate rains with heavy rains at some places.

Supreme Court's historic decision in domestic violence case, no arrests for 2 months; first the case will be sent to the Family Welfare Committee

New Delhi, The Supreme Court has given a historic verdict in cases related to domestic violence and dowry harassment. Banning immediate arrest in cases registered under Section 498 of the Indian Penal Code, the court has said that now after the FIR is registered, the police will not arrest the accused (husband or his relatives) for two months. This period of two months has been called the peace period. The Supreme Court on Tuesday ordered the implementation of two-year-old guidelines of the Allahabad High Court across the country. This decision was given by a bench of Justice B.R. Gavai and Justice Augustine George Masih while hearing a case related to a female DGP officer. After this decision of the Supreme Court, now the police will not take any immediate punitive action on any complaint lodged under Section 498. According to the new guidelines, immediately after the FIR is lodged, the case will be sent to the Family Welfare Committee (FCC) of the concerned district for a "silence period" of two months. During this two-month period, the police will not take any harsh action like arresting the accused, and the main purpose of the committee will be to try mediation and settlement between the two parties, so that the relationship can be saved from breaking and misuse of the law can be prevented. This rule will apply to all those cases in which Section 498-I is also included along with other sections punishable with less than 10 years of imprisonment and no serious physical harm has been caused in the case. The Supreme Court gave this order while hearing a case related to a female IAS officer. The court has also ordered the female officer to apologize by publishing an apology in the newspapers for harassing her husband and his relatives. Interestingly, these guidelines issued by the Allahabad High Court in 2022 were based on a decision of the Supreme Court itself in 2017 (Rajesh Sharma vs State of Uttar Pradesh). However, in 2018, the Supreme Court had struck down these guidelines in another case (Social Action for Human Rights vs Union of India), due to which the Family Welfare Committees became inactive. Now with this new decision on Tuesday, the mechanism of Family Welfare Committee has once again become effective across the country.

ED raids companies linked to businessman Anil Ambani, action is going on in Mumbai

Mumbai, ED has raided the companies of famous businessman Anil Ambani. According to the information, this raid is being conducted in Mumbai. Let us tell you that State Bank of India had recently declared Anil Ambani a fraud. This action was taken on the basis of two FIRs of National Housing Bank, SEBI, National Financial Reporting Authority, Bank of Baroda and CBI. Searches are also being conducted in the premises of many senior officials of companies associated with Anil Ambani. According to the information, during the investigation, ED has found evidence that this was a well-planned conspiracy to embezzle public money. Many institutions, banks, shareholders and investors were defrauded in this. The promoters of Yes Bank are also under suspicion in this. There is suspicion of illegal manipulation and misuse of loans worth about Rs 3,000 crore taken from Yes Bank between 2017 and 2019. Let us tell you that recently the SSI had declared Anil Ambani as a fraud. Earlier this month, the loan account of Anil Ambani's company Reliance Communication got a big blow from the SSI. The SSI had sent show cause notices to the company in December 2023, March 2024 and September 2024. After reviewing the company's reply, the bank had said that Anil Ambani's company did not comply with the terms of its loan and did not give complete information about the irregularities in the operation of its accounts.

Historic jump in Bihar's railway budget, 9 times increase in 11 years: Ashwini Vaishnav

Gorakhpur, . Union Minister of Railways, Information and Broadcasting and Electronics and Information Technology Ashwini Vaishnav, while sharing detailed information about the development work being done under railways in Bihar in the Lok Sabha, said that under the leadership of Prime Minister Modi, Bihar has received historic benefits in the railway sector. He said that 11 years ago, the railway budget for Bihar was only Rs 1132 crore, which has been increased to Rs 10,000 crore by Prime Minister Modi. This nine-fold increase reflects the central government's deep commitment to the aspirations and needs of Bihar. He said, "After all, these projects were started by the NDA government and have also been completed by the NDA government. It is clear from this that only the NDA can do justice to the people of Bihar. Shivhar-Sitamarhi railway project got new momentum Speaking on the Shivhar-Sitamarhi project during a discussion in the Lok Sabha, Union Railway Minister Vaishnaw said that this is a very important project. The tender process has been completed for the bridge to be built on the Bagmati River, which will connect Dekuli Dham Shivhar. An amount of Rs 262 crore has already been deposited for the land acquisition of this project and the work is progressing rapidly. Apart from this, Rs 557 crore has been sanctioned for the Sitamarhi-Shivhar new railway line project, and its work is also going on at a fast pace. The gift of Amrit Bharat trains Minister Vaishnav also said that various regions of Bihar have been connected with new Amrit Bharat trains, which have been started on major routes like Patna to Delhi, Darbhanga to Delhi, and Darbhanga to Bangalore.

Dhankar reached Rashtrapati Bhavan breaking protocol, had to wait for half an hour to submit his resignation

New Delhi, There was a political upheaval in the country when Vice President Jagdeep Dhankhar suddenly resigned from his post on Monday. The surprising thing was that Dhankhar broke the protocol and went straight to Rashtrapati Bhavan to submit his resignation to President Draupadi Murmu without any pre-scheduled program. There he had to wait for about half an hour to meet the President. Immediately after submitting his resignation, he made it public on social media and went to vacate his government residence. After this unexpected development, the layers of discomfort between him and the government have started to unfold. According to sources in Rashtrapati Bhavan, Dhankhar suddenly reached Rashtrapati Bhavan at around 8:30 pm on Monday night without any prior information. His arrival in this manner created an atmosphere of chaos there. Since he had no scheduled time to meet the President, the officials immediately informed the President about it. He had to wait for about half an hour in this process. As soon as the meeting took place, Dhankhar submitted his resignation to the President. After Dhankhar's resignation, many stories of the strained relations between him and the government are now coming to the fore. It is being discussed that there were differences between him and the government on many issues. For example, it is being told that he insisted on meeting US Vice President JD Vance, who visited India in April. Not only this, recently he had also allegedly reprimanded Union Agriculture Minister Shivraj Singh Chouhan on a public platform regarding the issue of farmers, which made the government very uncomfortable. These incidents indicate that the confrontation between the two sides was brewing for a long time, which ultimately culminated in his resignation.